महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 348 | उज्जैन, शनिवार 30 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

सिर्फ नतीजों पर ध्यान देंगे तो बदलाव नहीं आएगा। बदलाव पर ध्यान देंगे, तो नतीजे खुद मिलेंगे

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार अजय कोचर बने नौसेना के नए उप प्रमुख, समुद्री रणनीति में है लंबा अनुभव

नई दिल्ली/ जीएनएस। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसैनिक तैयारियों की रणनीति संभालने वाले वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शुक्रवार को नौसेना के 48वें उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके पास समुद्री सुरक्षा, युद्ध रणनीति और उच्च स्तरीय नौसैनिक संचालन का लंबा अनुभव माना जाता है, जिससे उन्हें नौसेना के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पद संभालने से पहले वाइस एडमिरल कोचर अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ रह चुके हैं। यह भारत की एकमात्र त्रि-सेवा संयुक्त कमान है, जो देश के रणनीतिक समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। इससे पहले उन्होंने पश्चिमी नौसेना कमान में चीफ आफ स्टाफ रहते हुए आपरेशन सिंदूर के दौरान महत्वपूर्ण समुद्री तैनाती और रणनीतिक संचालन का नेतृत्व किया था। वाइस एडमिरल अजय कोचर, वाइस एडमिरल संजय वत्सयान का स्थान लेंगे, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है।

पुणे स्थित प्रतिष्ठित राष्टीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र. वाइस एडमिरल अजय कोचर एक जुलाई, 1988 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। वे गनरी और मिसाइल सिस्टम्स के विशेषज्ञ माने जाते हैं। अपने करियर में उन्होंने कई प्रमुख युद्धपोतों की कमान संभाली, जिनमें आइएनएस नाशक, आइएनएस विभूति और आइएनएस कृपाण शामिल हैं। वे फ्रिगेट आइएनएस त्रिकंड के कमीशनिंग कमांडिंग आफिसर भी रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाली, जिसके दौरान इसके एयर विंग का सफल एकीकरण और संचालन सुनिश्चित किया गया।

जल संरक्षण और संवर्धन के पुनीत कार्य में देश का अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य पूर्ण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

6 हजार 330 करोड़ रुपये की राशि से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार कार्य हुए पूरे- जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत राज्य में कुल 3,67,777 कार्यों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार पूरा किया जा चुका है, जबकि 1,51,093 कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस विशाल अभियान को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 10,644.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से अब तक 6,330.81 करोड़ रुपये (लगभग 59.5त्न) की राशि का उपयोग किया गया है, जो विकास की वास्तविक गति को दर्शाती है।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति- ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्त्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य अमृत सरोवरों का कार्य शत-प्रतिशत् पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में व्यापक सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए WoW मोबाइल ऐप के माध्यम से 5,275 पानी की टंकियों की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, जल संसद जल बंधन 2.0 पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उत्कृष्ट दर 91.3त्न दर्ज की गई है।

देश के लिए मिसाल बनेगा मध्यप्रदेश का जल प्रबंधन मॉडल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मध्यप्रदेश इस दिशा में निरंतर नवाचार करता रहेगा।

ACCREDITATIONS & AFFILIATION

AMALTAS UNIVERSITY
CENTRAL INDIA'S LARGEST PRIVATE MEDICAL EDUCATION GROUP
AMALTAS GROUP OF INSTITUTIONS

ADMISSIONS OPEN 2026-27

PARAMEDICAL
BPT, BMLT, BXRT, DMLT, Cath Lab Dialysis, OT Tech., X-ray, USG Tech
Admissions are regulated by MPPC norms through University. Official Counselling Portal: *https://paramedical.mponline.gov.in/portal/services/admission/home.aspx*
Contact: 78801 54604

NURSING
B.Sc. Nursing, M.Sc. Nursing, Post Basic B.Sc., GNM, Ph.D. Nursing
B.Sc Nursing PNST Required
Admission: As per DME MP & University norms. Official Counselling Portal: *https://dme.mponline.gov.in/for GNM PBBSC MSC Direct admission*
Contact: 78801 54601, 78801 54602

PHARMACY
B.PHARMA (4 years)
D.PHARMA (2 years)
Eligibility-12th pass (PCB/PCM) with 50% OBC / SC / ST - 45 %
Admission: As per Pharmacy Council of India (PCI) norms
Contact: 96850 96514

ALLIED & REHABILITATION
PDCP, B.Sc. Cl. Psy. (Hons), BASLP, ISITEP (HI), ISITEP (ID)
Admission as per RCI & University norms. RCI Aproved courses
Contact: 96172 45556

MEDICAL
MBBS / MD / MS / DM / M.Ch Superspeciality
Eligibility: NEET Qualified
Admission: Via NEET UG/PG counselling as per NMC, DME MP State norms. Official Counselling Portal: *https://dme.mponline.gov.in/*
Contact: 77728 87775

HOMOEOPATHY
BHMS
Eligibility: NEET Qualified
Admission: Via NEET UG AYUSH counselling as per NCH, AYUSH and MP State norms. Official Counselling Portal: *https://ayush.mponline.gov.in/portal/index.aspx*
Contact: 89596 81230
96850 96500

AYURVEDA
BAMS
Eligibility: NEET Qualified
Admission: Via NEET UG AYUSH counselling as per NCISM, Ministry of AYUSH & MP State norms.Official Counselling Portal: *https://ayush.mponline.gov.in/portal/index.aspx*
Contact: 78801 54605
96300 98978

Amaltas City, Dewas Ujjain Highway, Village Bangar, (M.P.) 455001 | 1800 571 2131 | www.amaltasuniversity.in | Follow us on

विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों पर जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 के अंतर्गत मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं रेलवे कॉलोनियों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पिश्चम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रतलाम स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में रेलवे कर्मचारी, यात्री, फूड स्टॉल संचालक एवं संविदा कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई।

डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे कॉलोनी में कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने और गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए जागरूक किया गया।

रतलाम स्टेशन पर कचरा पृथक्करण, विशेषकर जैविक कचरे के पृथक्करण तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी लाने के संबंध में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। प्लेटफॉर्म क्रमांक 2 पर विशेष स्वच्छता अभियान संचालित कर साफ-सफाई सुनिश्चित की गई।

दाहोद स्टेशन पर यात्रियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल टिकटिंग प्रणाली अपनाने और कागज के उपयोग में कमी लाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान डिजिटल माध्यमों के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई।

नीमच स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत पर्यावरण अनुकूल एवं स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों को जागरूक किया गया। साथ ही डिजिटल टिकट प्रणाली को प्रोत्साहित कर कागज की बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

उज्जैन स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर गहन साफ-सफाई करवाई गई। इस दौरान यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ एवं हरित रेलवे परिसर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

रतलाम मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत आगामी दिनों में भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त परिसर को लेकर विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अग्नि सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, अवैध रूप से संग्रहित बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडर जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अग्नि सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन लगातार सतर्कता और सख्ती के साथ कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज शहर के मध्य स्थित महाराजा कॉम्प्लेक्स में बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य विभाग की टीम ने निरीक्षण के दौरान एक अवैध रूप से कब्जाई गई दुकान में बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए गैस से भरे हुए 25 गैस सिलेंडर जब्त किए। बताया गया कि सिलेंडरों का संग्रहण सुरक्षा मानकों के विपरीत किया जा रहा था, जिससे आगजनी जैसी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

नायता मुंडला तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर द्वारा तालाबों और जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को झोन क्रमांक 13 अंतर्गत नायता मुंडला तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में किए जा रहे अवैध निर्माणों पर निगम ने रिमूवल कार्रवाई करते हुए दो निर्माणाधीन अतिक्रमण हटाए।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर के तालाबों में वर्षा जल का पर्याप्त संग्रह हो सके और वर्षा ऋतु में तालाब पूरी क्षमता से भर सकें, इसके लिए कैचमेंट क्षेत्रों में अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा तालाबों की चैनल सफाई के साथ-साथ जल स्रोतों की क्षमता बढ़ाने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

निगम अधिकारियों के अनुसार नायता मुंडला तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में रवि शुगनबाई सुनेर एवं जितेंद्र रायसिंग यादव द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा था। सूचना मिलने पर निगम की टीम मौके पर पहुंची और जांच में पाया गया कि निर्माण कार्य तालाब के जलग्रहण क्षेत्र में किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल के प्रवाह में बाधा उत्पन्न होने की संभावना थी।

पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों स्थानों पर निर्माणाधीन अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी विशाल राठौर, भवन निरीक्षक अतुल श्रीधर सहित निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट किया है कि शहर के तालाबों, जल स्रोतों और उनके कैचमेंट क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखकर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इंदौर में 50 हजार रुपये के मीटर लगा रहे छह लाख में, बिजली कंपनी संदेह के घेरे में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पॉवर क्वालिटी पर निगरानी के लिए बिजली कंपनी ने उद्योगों को पीक्यू मीटर लगाने का फरमान सुनाया है। मनमाने तरीके से लगाए जा रहे इस मीटर को लेकर उद्योगों ने विरोध शुरू कर दिया है।

एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश (एआइएमपी) की मासिक कार्यकारिणी बैठक में मीटर का उद्योगपतियों ने भारी विरोध किया। एसोसिएशन के सचिव तरूण व्यास ने बताया कि उद्योगों पर पड़ रहे आर्थिक भार के विरोध में औद्योगिक संगठन एकजुट हैं।

बिजली वितरण कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे आधुनिक पीक्यू मीटर और स्मार्ट मीटर प्रणाली का हम विरोध करते हैं। बैठक में उद्यमियों ने मीटरों को उद्योगों के लिए 'आर्थिक बोझ' करार दिया है। एसोसिएशन ने इस मीटर के विरोध में एक सघर्ष समिति का गठन किया है। समिति के संयोजक रोलिंग मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश मित्तल को बनाया गया है।

मीटर के मामले में बिजली कंपनी का रूख भी संदेहास्पद है

सतीश मित्तल ने बताया कि उद्योगों का आरोप है कि नए पीक्यू मीटर सामान्य 'वोल्टेज फ्लक्चुएशन' और 'पावर फैक्टर% को भी भारी पेनाल्टी (अतिरिक्त शुल्क) के रूप में दर्ज कर रहे हैं, जिससे कई कारखानों का बिजली बिल अप्रत्याशित रूप से दोगुना तक हो जायेगा। मीटर के मामले में बिजली कंपनी का रूख भी संदेहास्पद है। मीटर की कार्यप्रणाली और तकनीकी मापदंड पारदर्शी नहीं हैं और उद्यमियों को मीटर की तकनीकी रिपोर्टिंग और रीडिंग पर गंभीर संदेह है। इसकी तकनीकी खामी के कारण उत्पादन लागत में भारी वृद्धि होगी। मध्यप्रदेश देश का तीसरा राज्य है जहां यह मीटर लगाने की कवायद चल रही है।

भाजपा इंदौर नगर और ग्रामीण का प्रशिक्षण वर्ग आज से, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे समापन सत्र को संबोधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत भाजपा इंदौर नगर और भाजपा इंदौर ग्रामीण का जिला प्रशिक्षण वर्ग 30 और 31 मई को आयोजित किया जाएगा। भाजपा संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ भाजपा नेता और पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे।

भाजपा इंदौर नगर का प्रशिक्षण वर्ग एमआर-10 स्थित एचआर ग्रीन होटल में आयोजित होगा। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, वर्ग जिला प्रभारी रवि रावलिया और वर्ग संयोजक सुधीर कोल्हे ने बताया कि 30 मई को सुबह 9=30 बजे से कार्यकर्ताओं का पंजीयन प्रारंभ होगा। उद्घाटन सत्र को भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह संबोधित करेंगे। इसके बाद विभिन्न सत्रों में भाजपा के इतिहास और विकास, सोशल मीडिया और एआई आधारित सूचना तंत्र, सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं, संगठन की भूमिका, कार्य पद्धति, कार्य विस्तार, बूथ प्रबंधन और मन की बात जैसे विषयों पर वरिष्ठ नेता मार्गदर्शन देंगे।

प्रशिक्षण वर्ग में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, खरगोन जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराणा और पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

31 मई को सुबह योग सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद विचार परिवार, कार्यकर्ता विकास एवं देश के समक्ष राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर सत्र आयोजित होंगे। नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, विधायक उषा ठाकुर और वरिष्ठ नेता कृष्णमुरारी मोघे कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। दोपहर 2=30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समापन सत्र में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम का समापन डिजिटल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और राष्ट्रगान के साथ होगा।

वहीं भाजपा इंदौर ग्रामीण का जिला प्रशिक्षण वर्ग द एक्सोटिका होटल में आयोजित किया जाएगा। जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी अजय सिंह नरुका और संयोजक रामविलास पटेल ने बताया कि 30 मई को सुबह 10=30 बजे से कार्यकर्ताओं का पंजीयन प्रारंभ होगा तथा उद्घाटन सत्र को भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह संबोधित करेंगे।

ग्रामीण प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी आलोक दुबे, सांसद शंकर लालवानी, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, मंत्री तुलसीराम सिलावट और जिला प्रभारी शैलेन्द्र डागा विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन देंगे।

31 मई को योगाभ्यास के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद स्थायी कार्यक्रम, बूथ प्रबंधन, कार्य पद्धति, राजनीतिक एवं सामाजिक चुनौतियां और कार्य विस्तार जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और अजा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। समापन सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में डिजिटल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और राष्ट्रगान के साथ प्रशिक्षण वर्ग का समापन होगा।

इंदौर पुलिस होगी और हाईटेक, विवेचना अधिकारियों को मिले आधुनिक टैबलेट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट अब अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त आधुनिक टैबलेट अब शहर के विभिन्न थानों के विवेचना अधिकारियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे डिजिटल साक्ष्यों का संकलन और प्रकरणों की विवेचना पहले से अधिक बेहतर और त्वरित हो सकेगी।

इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय इंदौर में विवेचना अधिकारियों के लिए टैबलेट वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 अमन सिंह राठौड़, पुलिस उपायुक्त जोन-04 सुनील मेहता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न थानों के विवेचना अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने विवेचना अधिकारियों को टैबलेट वितरित किए। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्राप्त 176 टैबलेट तथा हाल ही में मिले 697 नए टैबलेट सहित कुल 873 टैबलेट इंदौर पुलिस को प्राप्त हुए हैं, जिन्हें सभी थानों के विवेचना अधिकारियों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन आधुनिक उपकरणों का उपयोग डिजिटल एवं अन्य प्रकार के साक्ष्यों के बेहतर संकलन, सुरक्षित प्रबंधन तथा ई-विवेचना ऐप के माध्यम से अनुसंधान कार्यों को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने में किया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को ऑनलाइन अनुसंधान, केस डायरी संधारण, डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण, साइबर अपराधों की जांच तकनीकों तथा तकनीकी संसाधनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण विवेचना की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है, ऐसे में तकनीक आधारित पुलिसिंग समय की आवश्यकता बन गई है। आधुनिक डिजिटल उपकरणों के उपयोग से विवेचना कार्य अधिक सटीक, पारदर्शी और तेज होगा, जिससे आमजन को बेहतर और प्रभावी पुलिस सेवा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा भविष्य में भी पुलिस बल को तकनीकी रूप से सशक्त, प्रशिक्षित और दक्ष बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाते रहेंगे।

नकली बायो डीजल बेचने वाले मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड मेथवाडा देपालपुर बायो डीजल पंप पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के देपालपुर मेथवाडा स्थित मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप भागीदार सुनीता पति सुभाष केसवाल एवं सुभाष पति रामचंद्र केसवाल निवासी 1525 द्वारकापुरी इंदौर द्वारा अवैध रूप से नकली बायो डीजल की बिक्री करने पर खाद्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। खाद्य विभाग की टीम ने पंप को मौके पर सील कर दिया है। मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप पर प्रारंभिक जाँच में नकली बायो डीजल होना पाया गया है। जांच की कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री शिव सुंदर व्यास देपालपुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अजय अस्थाना द्वारा की गई।

बताया गया कि मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप की शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा जांच की गई। प्रारंभिक जांच में नकली बायो डीजल पाए जाने पर पंप को सील किया गया है। इसके साथ ही पंप संचालक द्वारा राज्य सरकार के अधिकृत लाईसेंस प्राप्त छह कंपनी के सप्लायर से सप्लाई नहीं लेकर अनाधिकृत फर्म से सप्लाई लेना पाया गया। बताया गया कि पंप संचालक ब्क्स100 मानक का ही बायो डीजल विक्रय कर सकते हैं, बायोडीजल के मानक की डेंसिटी 900 से ऊपर होती है परंतु मौके पर डेंसिटी 860 पाई गई। मौके से कुल 6000 लीटर नकली बायो डीजल जप्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रूपये से अधिक है। नकली बायोडीजल के सैम्पल लेकर पंप में बिक्री बंद करवाते हुए पंप, डिस्पेंसरी यूनिट और भूमिगत टैंक को सील कर दिया गया है। बताया गया कि सैम्पल अधिकृत लेबोरेटरी में टेस्टिंग के लिए भेजे जा रहे हैं। नमूना रिपोर्ट आने के बाद में आगामी वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का मास्टरमाइंड राहुल राठौर गिरफ्तार, इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग के मास्टरमाइंड और 25 हजार के इनामी बदमाश राहुल सिंह राठौर उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एसटीएफ द्वारा 15 हजार और क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। इस कार्रवाई के साथ ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर व्यापारियों और व्यवसायियों को धमकी देने वाले मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर क्राइम ब्रांच में गठित एसआईटी लगातार मामले की जांच और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी राजपाल चंद्रावत निवासी नागदा से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर राहुल सिंह राठौर, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम बिंजाना जिला देवास को गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राहुल राठौर, पहले से गिरफ्तार आरोपी राजपाल चंद्रावत का मुख्य सहयोगी था। आरोपी इंदौर के व्यापारियों और व्यवसायियों के घरों, कार्यालयों और अन्य स्थानों की रेकी करवाने के साथ-साथ गैंग से जुड़े लोगों के बीच लेन-देन और समन्वय की गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा था। पुलिस के अनुसार राहुल गैंग के सदस्यों को तकनीकी और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराकर आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने में सहयोग करता था।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी राहुल, राजपाल को हथियार उपलब्ध करवाता था और फायरिंग तथा रेकी के लिए लड़कों की व्यवस्था भी करता था। पुलिस जांच के दौरान आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है, जिसकी विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ थाना अपराध शाखा इंदौर में अपराध क्रमांक 48/2026 और 50/2026 के तहत धारा 308(5) एवं 351(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज हैं। मामले में आरोपियों से विस्तृत पूछताछ जारी है और विवेचना के दौरान अन्य महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

इस प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों में राजपाल चंद्रावत निवासी नागदा, सोनू उर्फ रितेश खंगार निवासी इंदौर, सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा निवासी उज्जैन, नाना उर्फ रोहित बर्रा निवासी उज्जैन तथा कुलदीप निवासी ग्राम कसारी चौहान जिला रतलाम शामिल हैं।

वीर सावरकर जयंती पर विहिप-बजरंग दल ने किया माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर सावरकर जयंती के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा वीर सावरकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर वीर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंकित मौर्य ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के चलते स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर सावरकर को वह सम्मान नहीं मिल सका, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और संघर्ष का प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने कहा, अंधकार में समा गए जो तूफानों के बीच जले, मंजिल उनको मिली जो एक कदम भी नहीं चले।

इंदौर में 9 से 13 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय BRICS कृषि सम्मेलन- व्यापक तैयारियां जारी

तैयारियों का कलेक्टर-पुलिस कमिश्नर और अन्य सभी अधिकारियों ने बसों में बैठकर लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में 9 से 13 जून तक कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय महत्व का ब्क्स्ट्रस सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में BRICS देशों के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रम स्थलों, बैठक स्थलों तथा अतिथियों के आवागमन मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एयरपोर्ट से लेकर अतिथियों के ठहरने के स्थानों तथा आयोजन स्थलों तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि मेहमानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही मालवा की सांस्कृतिक गरिमा और पारंपरिक आतिथ्य के अनुरूप उनका स्वागत-सत्कार सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

इंदौर नगर निगम की नई पहल, फ्लेक्स एवं बैनर वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रहा इंदौर शहर अब फ्लेक्स एवं बैनर वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट के संचालन के साथ एक और महत्वपूर्ण पहल की ओर बढ़ गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम इंदौर द्वारा फ्लेक्स और बैनर अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के लिए आधुनिक यूनिट का संचालन प्रारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य उपयोग के बाद फेंके जाने वाले फ्लेक्स, बैनर और पीवीसी आधारित अपशिष्ट सामग्री का पुनर्चक्रण कर पर्यावरण प्रदूषण को कम करना तथा वेस्ट टू वेल्थ और सर्कुलर इकॉनमी की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

नगर निगम द्वारा स्थापित इस यूनिट में शहरभर से एकत्रित पुराने फ्लेक्स और बैनरों का संग्रहण, छंटाई और वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार यूनिट की प्रोसेसिंग क्षमता लगभग एक टन प्रतिदिन है। मशीन के माध्यम से फ्लेक्स एवं बैनर सामग्री को प्रोसेस करने पर लगभग 50 प्रतिशत पीवीसी और 50 प्रतिशत कॉटन फाइबर प्राप्त होता है। प्राप्त पीवीसी सामग्री को पुनर्चक्रण के लिए दिल्ली भेजा जाता है, जबकि कॉटन फाइबर का उपयोग इंदौर में रस्सी निर्माण कार्य में किया जा रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया में सबसे पहले शहर के विभिन्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों, आयोजनों, संस्थानों और अन्य स्थानों से पुराने फ्लेक्स एवं बैनरों का संग्रहण किया जाएगा।

गोबर खाद के विवाद में 'गांव बना रणभूमि', सोनडी में पत्थर, लाठी और चीखों के बीच खूनी संघर्ष, महिलाएं भी घायल

रामपुरा थाना क्षेत्र के सोनडी गांव में मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक मोड़, कई लोग जिला अस्पताल रेफरज पीड़ित पक्ष बोला- आरोपी अब भी गांव में दहशत फैला रहे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सोनडी में गोबर खाद और रोडी हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि पूरा गांव हिंसा की चपेट में आ गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गांव की गलियों में पत्थरबाजी, लाठी-डंडे और चीख-पुकार का माहौल बन गया। इस झड़प में महिलाओं सहित कई लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, वहीं पीड़ित परिवार ने प्रशासन से सुरक्षा और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित पक्ष की ओर से राधाबाई पति गोमाजी बंजारा ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि 26 मई की रात करीब 8 बजे उनके घर पर मेहमान आए हुए थे और भोजन कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान गांव में रोडी भरने और गोबर खाद हटाने की बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई।

आरोप है कि कुछ ही देर बाद विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दूसरे पक्ष के कई लोग एकजुट होकर उनके घर पहुंच गए। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

हमले में गोमाजी, दलीचंद, राहुल, बालाबाई, केशूराम और रायसिंह सहित कई लोग घायल हुए हैं। महिलाओं को भी गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को पहले रामपुरा अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर कई लोगों को जिला चिकित्सालय नीमच रेफर करना पड़ा। बताया जा रहा है कि कुछ घायल पिछले तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं।

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद भी आरोपी पक्ष के लोग गांव में लाठियां और हथियार लेकर घूम रहे हैं तथा लगातार धमकियां दी जा रही हैं। परिवार का कहना है कि गांव में भय का माहौल है और उन्हें जान-माल का खतरा बना हुआ है।

घटना के बाद ग्रामीणों के बीच भी चर्चा का माहौल गर्म है। गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई है।

वहीं मामले में पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सुवासरा पुलिस की कार्रवाई, दो अपहृत बालिकाओ को तीन दिन में मोरवी गुजरात से किया दस्तयाब

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा नाबालिग बालक/बालिकाओ की दस्तयाबी के संबंध में चलाये जा रहे अभियान आपरेशन मुस्कान के अन्तर्गत अधिक से अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु पुलिस अधीक्षक मन्दसौर विनोद कुमार मीना के द्वारा समस्त थाना प्रभारी को निर्देशीत किया गया था। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय गरोठ सुश्री हेमलता कुरील व अअपु सीतामऊ दिनेश प्रजापति के निर्देशन में थाना प्रभारी सुवासरा निरीक्षक राजेन्द्र सिंह बघेल द्वारा व गठित टीम द्वारा दिनांक 24 मई 2026 से लापता अपहत बालिका उम्र 15 साल 07 माह व 17 साल 02 माह को मोरवी गुजरात से दस्तयाब किया गया। घटना अनुसार दिनांक 24 मई 2026 को सूचनाकर्ता ने अपनी नाबालिग भतीजी उम्र 17 साल 02 माह व नाबालिग भांजी उम्र 15 साल 09 माह के घर ग्राम हंसपुरा से चले जाने संबंधी रिपोर्ट थाने पर की थी, जिस पर से थाना सुवासरा पर अपराध क्रमांक 159/26 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना प्रकरण में गठित टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए विश्वसनीय मूखबिर तंत्र व सायबर सेल मन्दसौर की मदद से अपहृता को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की तथा अपहृत बालिकाओ को सकुशल उसके परिवार के सुपूर्द किया गया। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक राजेन्द्र सिंह बघेल, उनि केरूसिंह रावत, प्रआर सुरेन्द्र चौधरी, आऱक्षक लालु गुर्जर, महिला आऱक्षक रेखा आर्य का विशेष योगदान रहा।

गर्भवती महिलाओं की प्रथम जांच गर्भ के 12 सप्ताह के अंदर सुनिश्चित की जाए- कलेक्टर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभा कक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन,डीन मेडीकल कालेज अनिता मुथा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संध्या बेलसरे,जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री रामनिवास बुधौलिया सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण संबंधित आंकड़े स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किए जाए तथा मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग मिलकर गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को सेवाएं प्रदान करें। गर्भवती महिलाओं की प्रथम जांच गर्भ के 12 सप्ताह के अंदर सुनिश्चित की जाए। मातृ-मृत्यु मामलों की समीक्षा करते हुए सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की प्रसव की अनुमानित तिथि के आधार पर नजदीकी प्रसव केन्द्र के साथ उनकी मैपिंग की जाए और समय पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाए। कलेक्टर ने विगत बैठक से अब तक की प्रगति की तुलनात्मक समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले की समस्त गर्भवती महिलाओं की अनमोल पोर्टल पर प्रविष्टि करते हुए प्रोटोकॉल अनुसार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने एवं गर्भवती महिलाओं में सीवियर एनीमिया मैनेजमेंट, नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस के स्टैंडर्ड के अनुसार गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

मंदसौर जिले में 39,004 किसानों से 2,28,822.17 एमटी गेहूं खरीदी की गई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले में गेहूं उपार्जन (खरीदी) का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष गेहूं की खरीदी 9 अप्रैल 2026 को प्रारंभ होकर अंतिम तिथि 28 मई 2026 तक की गई । विपणन वर्ष 2026-27 वर्ष में कुल 66,035 किसानों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 45,292 किसानों ने अपनी उपज बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक किए थे। जिले भर में स्थापित सभी 72 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से गेंहू की उपज को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु पहुँचे कुल 39,004 किसानों से 2,28,822.17 एमटी गेहूं की खरीदी की गई है। प्रशासन द्वारा इस वर्ष मंदसौर जिले के लिए 2,25,000 एमटी का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे समय रहते न सिर्फ हासिल किया गया, बल्कि उससे अधिक की खरीदी दर्ज कर प्रदेश की रैंकिंग में जिले ने अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है।

किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए सरकार द्वारा इस बार 2 हजार 585 रुपये समर्थन मूल्य के साथ 40 रुपये प्रति क्विंटल का विशेष बोनस दिया गया, जिससे मंदसौर के किसानों को कुल 2 हजार 625 रुपये प्रति क्विंटल का आकर्षक दाम मिला है। इस वर्ष मंदसौर जिले की गेहूं खरीदी ने पिछले साल के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जहां पिछले साल कुल खरीदी 1,82,714 एमटी थी, वहीं इस साल यह बढ़कर 2,28,822.17 एमटी तक पहुंच गई है। सबसे बड़ा अंतर किसानों को किए गए भुगतान में है। पिछले साल जहां जिले में कुल 475 करोड़ 63 लाख 85 हजार 500 रुपये का भुगतान किया गया था, वहीं इस साल 600 करोड़ 65 लाख 72 हजार 731 रुपये का भुगतान किया गया है। वही इस वर्ष खरीदी की गयी सम्पूर्ण उपज को जिले में स्थित गोदामों में सुरक्षित भंडारण किया गया, जिससे उपार्जित गेहूं के भीगने या खुले में पड़े रहने के कारण खराब होने की कोई संभावना नहीं रही7 जिला प्रशासन मंदसौर ने इस सफल और निर्बाध खरीदी प्रक्रिया के लिए सभी उपार्जन केंद्रों के स्टाफ, परिवहनकर्ताओं और सहयोग करने वाले किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय अखंड हिंदू सेना का विस्तार, शरद जोशी पिपलिया मंडी बने मध्यप्रदेश अध्यक्ष

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर आचार्य शेखर जी महाराज के निर्देश पर प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार भोपाल, अखंड हिंदू सेना के राष्टीय अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर आचार्य शेखर जी महाराज के निर्देशानुसार अखंड हिंदू सेना मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। संगठन को मजबूत एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गई हैं।

संगठन विस्तार के अंतर्गत पिपलिया मंडी, मंदसौर निवासी शरद जोशी को अखंड हिंदू सेना मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं महिद्पुर निवासी मनोज प्रजापत को प्रदेश संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन की ओर से आशा व्यक्त की गई है कि नवनियुक्त पदाधिकारी सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करेंगे। इस संबंध में जानकारी अखंड हिंदू सेना के मीडिया प्रभारी तन्मय खंडूजा द्वारा दी गई।

आरटीओ ने 23 वाहनों पर चालानी कार्यवाही एवं 3 को किया जप्त, 1.41 लाख शुल्क वसूला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवहन विभाग द्वारा लोक परिवहन बसों का चैकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 23 वाहनों पर चालानी कार्यवाही एवं 3 वाहनों को जप्त किया है। जिसमें परिवहन विभाग द्वारा 23 वाहनों मे कुल 1 लाख 41 हजार रू की चालानी कार्यवाही की एवं 3 वाहनों को जप्त किया है। बिना परमिट/ परमिट शर्तों के उल्लंघन वाले 5 वाहनों पर 76 हजार रू, 6 ओवरलोड वाहन पर 30 हजार रू, बिना फिटनेट के 3 वाहनों पर 30 हजार रू, बिना वर्दी में ड्राईवर पर 9 वाहनों पर 5 हजार रू की चालानी कार्यवाही की गई। 3 वाहनों को जप्त किया गया।

बीपीएल सूची के सत्यापन हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कुरवाई तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामवार बीपीएल सूची का सत्यापन अभियान के रूप में संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके, इसके लिए बीपीएल सूची का अद्यतन एवं वास्तविक स्थिति के अनुरूप सत्यापन अत्यंत आवश्यक है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम में घर-घर जाकर बीपीएल सूची में दर्ज परिवारों की स्थिति का परीक्षण किया जाए तथा अपात्र व्यक्तियों के नाम चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही पात्र लेकिन सूची से वंचित परिवारों की जानकारी भी संकलित की जाए, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि सत्यापन कार्य पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ किया जाए तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। ग्राम स्तर पर राजस्व अमला, पंचायत सचिव एवं संबंधित विभागों के कर्मचारियों के समन्वय से यह अभियान संचालित होगा।

ग्रामीणों की समस्या लेकर कलेक्टर पहुंचे संयुक्त बेरोजगार सेना के पदाधिकारी

रास्ता और नाले की निकासी बहाल करने की मांग, बारिश में 20 परिवारों पर संकट

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम कोटड़ीमांडा में आम रास्ता एवं पुराने नाले की निकासी बंद होने से परेशान ग्रामीणों की आवाज गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंची। संयुक्त बेरोजगार सेना के जिलाध्यक्ष दिनेश प्रजापत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर समस्या के त्वरित समाधान की मांग की। इस दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वकील बंजारा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में पुराने रास्ते एवं नाले को अवरुद्ध कर दिए जाने से करीब 15 से 20 परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित होने के साथ जल निकासी की समस्या भी उत्पन्न होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार पुराने नाले को तत्काल खुलवाया जाए तथा शासकीय भूमि का सीमांकन कर स्थायी रास्ते का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी काफी कठिनाई होती है और बारिश के समय पूरा क्षेत्र संकटग्रस्त हो जाता है। संयुक्त बेरोजगार सेना ने प्रशासन से मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर निष्पक्ष निरीक्षण कराने और जल्द स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष वकील बंजारा ने कहा कि संगठन हमेशा गरीब, किसान और वंचित वर्ग की समस्याओं को मजबूती से उठाता आया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन जनहित में बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य अमला ड्यूटी से नदारद रहे तो रुकेगा वेतनः सार्थक एप पर हाजिरी अनिवार्य, कलेक्टर के सख्त निर्देश

गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष अभियान- सोम-मंगल को होगा हीमोग्लोबिन व बीपी परीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि समस्त चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी सार्थक एप पर प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें। उपस्थिति दर्ज न करने वाले अधिकारी-कर्मचारी का वेतन आहरण नहीं किया जाएगा। सभी को निर्धारित समयावधि में ड्यूटी स्थल पर उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश- सोमवार एवं मंगलवार को विशेष अभियान चलाकर जिले की प्रत्येक गर्भवती महिला का हीमोग्लोबिन एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण किया जाए। प्रसव पूर्व दी जाने वाली सभी सेवाएं गुणवत्तापूर्ण हों। ग्राम स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं ताकि जिला चिकित्सालय पर अनावश्यक रेफरल की स्थिति न बने।

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की बैक ट्रैकिंग कर सामुदायिक स्तर पर सेवाओं की पुष्टि करें।

समग्र आईडी के अभाव में लंबित गर्भावस्था पंजीयन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पीओ डूडा से समन्वय कर समग्र बनवाना सुनिश्चित करेंप्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को सीएमएचओ एवं डीपीओ ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर संयुक्त भ्रमण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करें।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने बाल एवं शिशु मृत्यु समीक्षा, गृह आधारित नवजात देखभाल, राष्टीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत अभियान, टीबी नियंत्रण, एड्स नियंत्रण, गैर संचारी रोग, मलेरिया, अंधत्व निवारण, कुष्ठ नियंत्रण एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, डीपीओ सुश्री अंकिता पंड्या, सीएमएचओ डॉ. दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र पाटील, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम. मांगरिया सहित समस्त बीएमओ, मेडिकल ऑफिसर एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

खेत तालाब से जल संरक्षण, सिंचाई और रोजगार भी

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025-26 अंतर्गत खेत तालाब निर्माण ग्राम पंचायत बधेर, जनपद पंचायत नटेरन के ग्राम गोकलपुर निवासी किसान श्री अवधनारायण के खेत में खेत तालाब का निर्माण कराया गया। इस कार्य से क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिला है तथा किसानों को सिंचाई हेतु स्थायी जल स्त्रोत उपलब्ध हुआ है। पूर्व में किसान को सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के समय पानी की कमी के कारण फसलों का उत्पादन प्रभावित होता था तथा खेती की लागत बढ़ जाती थी। खेत तालाब निर्माण के बाद वर्षा जल का संग्रहण संभव हुआ, जिससे खेत में लंबे समय तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहने लगा है। तालाब में सिंचित जल से अब किसान समय पर फसलों की सिंचाई कर पा रहे हैं। जिससे खेती की लागत में कमी आने के साथ-साथ उत्पादन बढ़ने की संभावना भी मजबूत हुई है। यह कार्य भू-जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। किसान श्री अवध नारायण ने बताया कि खेत तालाब बनने से अब उन्हें सिंचाई के लिए पानी की चिंता कम हो गई है और आने वाले समय में वे अतिरिक्त फसल लेने की योजना बना रहे हैं।

सिंगोली मे मिष्ठान भंडार से 3 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसीलदार श्री प्रेम शंकर पटेल एवं टीम द्वारा शुक्रवार को सिंगोली स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार पर छापामार कार्रवाई की गई। जांच के दौरान प्रतिष्ठान में घरेलू गैस के 3 सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग करते पाए गए। तहसीलदार श्री पटेल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर लिए। जब्त किए गए सिलेंडर दिनेश पिता वक्तावर सिंह की सुपुर्दगी में दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग दंडनीय अपराध है और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सोलर टेक्नीशियन प्रशिक्षणार्थियों की ऑन जॉब ट्रेनिंग सम्पन्न

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आईटीआई विदिशा में संचालित सोलर टेक्नीशियन व्यवसाय के प्रशिक्षणार्थियों हेतु ऑन जॉब ट्रेनिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को सोलर पैनल स्थापना, रखरखाव, वायरिंग, ऊर्जा संरक्षण एवं आधुनिक सौर तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

योजना के माध्यम से घरों में सोलर ऊर्जा के उपयोग, बिजली बचत तथा स्वरोजगार के अवसरों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षणार्थियों को सोलर उद्यमिता विकास का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें स्वयं का सोलर व्यवसाय प्रारंभ करने, ग्राहकों से संपर्क, इंस्टॉलेशन कार्य, सर्विसिंग एवं सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के विषय शामिल रहे।

पोषण में नीमच का परचमः कुपोषण सुधार व FRS में प्रदेश में प्रथम, कलेक्टर ने दी बधाई

जिला पोषण समिति बैठक में कलेक्टर ने की महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित हुई। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने पीपीटी के माध्यम से प्रगति प्रस्तुत की।

नीमच की उपलब्धियां- कलेक्टर श्री चंद्रा ने FRS व आंगनवाड़ी संचालन में न्यूनतम 21 दिवस, अति गंभीर कुपोषित बच्चों के श्रेणी सुधार में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहने पर टीम को बधाई दी। साथ ही आभा आईडी में प्रदेश में तीसरा, अपार आईडी में चौथा, गर्म पका भोजन वितरण में पांचवां, टेक होम राशन वितरण में दूसरा तथा शाला पूर्व शिक्षा में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर सराहना की। संभाग में जिला सभी मानकों पर प्रथम रहा।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश- 15 जून 2026 तक FRS, आभा आईडी, अपार आईडी का शेष कार्य पूर्ण करें। कोई भी बच्चा वजन से वंचित न रहे। सभी आंगनवाड़ियों में पोषण वाटिका तैयार करें व नियमित संचालन सुनिश्चित करें। सैम, मैम व अतिकम वजन के बच्चों का नामवार चिन्हांकन कर हॉट स्पॉट केंद्रों पर माह में एक बार स्वास्थ्य कैंप लगाएं।

एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी के तहत समुदाय के सहयोग से कुपोषण दूर करें। NRC में बच्चों की नियमित भर्ती हो। सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में सुविधाओं का विस्तार करें। लापरवाह कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करें। गर्म पके भोजन व टेक होम राशन की नियमित निगरानी हो। वितरण न करने वाले समूहों पर कार्रवाई हो।

बैठक में सीएमएचओ डॉ. दिनेश प्रसाद, सहायक संचालक श्री वैभव बैरागी, समस्त बीएमओ, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं ब्लॉक समन्वयक उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग की सक्रियता से बाजना में नाबालिग दूल्हे का बाल विवाह रुकवाया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि चाइल्डलाइन एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सैलाना को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम धोलपुरा निवासी बालिका छाया पिता राकेश का विवाह ग्राम हाली वाला भगोरा निवासी निलेश पिता कैलाश भगोरा के साथ 29 मई को कराया जा रहा है।

एसडीएम सैलाना श्री तरुण जैन के निर्देश पर बाजना परियोजना अधिकारी एहतेशाम अंसारी, पर्यवेक्षक रजनी मईडा, हबीबनूर पठान एवं ऑपरेटर परवेज खान, पुलिस विभाग से टीआई बाजना श्री रविन्द्र दंडोतिया के निर्देशन में एएसआई कालू सिंह जामोद भी मौके पर उपस्थित थे ।

बताया गया कि बारात प्रातः 4 बजे ग्राम धोलपुरा पहुंच चुकी थी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की टीम सुबह 6 बजे मौके पर पहुंची। टीम द्वारा दुल्हन छाया वसुनिया के आधार कार्ड से उम्र का सत्यापन किया गया, जिसमें उसकी जन्मतिथि 1 जुलाई 2007 पाई गई और उसकी आयु 18 वर्ष 10 माह होना सामने आया। वहीं दूल्हे निलेश के आधार एवं अंकसूची के सत्यापन में उसकी जन्मतिथि 1 नवंबर 2007 पाई गई तथा उसकी आयु 18 वर्ष 6 माह होना पाया गया। इस प्रकार दूल्हा नाबालिग पाया गया। टीम द्वारा दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए बताया गया कि बाल विवाह कानूनी अपराध है तथा दूल्हे की आयु 21 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है। परिवारों को बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधान एवं सजा की जानकारी भी दी गई।

सम्पादकीय

त्रिभाषा फार्मूला है भारत की शिक्षा का नया क्षितिज

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों और परंपराओं का विराट संगम है। यहां भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना का आधार भी है। ऐसे बहुभाषी देश में शिक्षा व्यवस्था को किस भाषा में संचालित किया जाए और बच्चों को कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाएं, यह प्रश्न लंबे समय से बहस और राजनीति का विषय रहा है। इसी संदर्भ में त्रिभाषा फार्मूला भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अवधारणा के रूप में सामने आया। आज नई शिक्षा नीति-2020 और सीबीएसई के ताजा निर्णय ने इसे नए स्वरूप में पुनः प्रासंगिक बना दिया है। नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को अनिवार्य करने का निर्णय केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की भाषाई आत्मा को मजबूत करने का दूरदर्शी प्रयास है। त्रिभाषा फार्मूला मूलतः 1964-66 के कोठारी आयोग की देन है। इसका उद्देश्य था कि भारत के छात्र तीन भाषाएं सीखें-पहली मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी या अन्य भारतीय भाषा तथा तीसरी अंग्रेजी। इस व्यवस्था के पीछे भावना यह थी कि देश के विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद, समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाया जाए।

त्रिभाषा फार्मूला का उद्देश्य ही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी से परिचित हों। किंतु दुर्भाग्य से यह नीति अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप सफल नहीं हो सकी। इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक विवाद और भाषाई असंतुलन रहा। विशेषकर दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में इसे हिंदी थोपने के प्रयास के रूप में देखा गया। वहां यह भावना बनी कि केंद्र सरकार हिंदी को राष्ट्रभाषा के नाम पर क्षेत्रीय भाषाओं पर वर्चस्व दिलाना चाहती है। दूसरी ओर उत्तर भारत ने भी त्रिभाषा फार्मूले की आत्मा को गंभीरता से नहीं अपनाया। यहां अधिकांश राज्यों ने तीसरी भाषा के रूप में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को अपनाने के बजाय संस्कृत को शामिल कर औपचारिकता पूरी कर ली। परिणाम यह हुआ कि जिस पारस्परिक भाषाई संवाद एवं सौहार्द की कल्पना की गई थी, वह विकसित नहीं हो सका। आज भी स्थिति यह है कि उत्तर भारत के अधिकांश निजी विद्यालयों में बच्चों को अंग्रेजी के साथ फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं की उपेक्षा की जाती है। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में हिंदी तक को गौण बना दिया गया है। यह विडंबना ही है कि विदेशी भाषाएं आधुनिकता और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि अपनी मातृभाषा या भारतीय भाषाएं अतिरिक्त बोझ बताई जाती हैं। यह मानसिकता भारतीय भाषाओं के प्रति हीनभावना को दर्शाती है। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए।

त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं विशेषतः हिंदी को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक है। यह केवल भाषा सीखने की नीति नहीं, बल्कि भारत की भाषाई एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। इस व्यवस्था से उत्तर भारत के विद्यार्थी दक्षिण भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समझ सकेंगे, जिससे भाषाई दूरी और क्षेत्रीय संकीर्णता कम होगी। साथ ही मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करती है। आज वैश्वीकरण के दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान उपयोगी अवश्य है, लेकिन अपनी भाषाओं की उपेक्षा किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करती है। इसलिए त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं को सम्मान देने, हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मजबूत बनाने तथा भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है।

सीबीएसई और केंद्र सरकार का ताजा निर्णय इसी मानसिकता को बदलने का प्रयास है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत यह स्पष्ट किया गया है कि बच्चों द्वारा चुनी गई तीन भाषाओं में कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। यह व्यवस्था किसी भाषा को थोपने की नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को सम्मान और अवसर देने की नीति है। नई शिक्षा नीति का सबसे सकारात्मक पक्ष इसका लचीलापन है। इसमें किसी राज्य या विद्यार्थी पर कोई विशेष भाषा अनिवार्य नहीं की गई। छात्र अपनी रुचि और क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार भाषा चुन सकते हैं। यह दृष्टिकोण पहले की तुलना में अधिक व्यावहारिक और लोकतांत्रिक है। त्रिभाषा फार्मूले की सबसे बड़ी उपयोगिता राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय में दिखाई देती है। भाषा मनुष्य को केवल शब्द नहीं देती, बल्कि सोचने का तरीका, संस्कृति का बोध और समाज की संवेदनाएं भी प्रदान करती है। जब उत्तर भारत का छात्र तमिल, तेलुगु, मलयालम या कन्नड़ सीखेगा और दक्षिण भारत का छात्र हिंदी या अन्य उत्तर भारतीय भाषाओं को समझेगा, तब दोनों के बीच मानसिक दूरी स्वतः कम होगी। इससे भाषाई वैमनस्य और क्षेत्रीय संकीर्णता कमजोर होगी। भारत की विविधता को समझने और स्वीकारने की दृष्टि विकसित होगी।

इसके अतिरिक्त बहुभाषी शिक्षा बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए भी लाभकारी मानी गई है। यूनेस्को सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि बहुभाषी बच्चे अधिक रचनात्मक, विश्लेषणात्मक और संवेदनशील होते हैं।

आत्मज्ञान से आनंदमय जीवन की ओर

वदन्तु शास्त्राणि यजन्तु देवा
कुर्वन्तु कर्माणि भजन्तु देवताः ।
आत्मैक्यबोधेन बिना विमुक्तिः
न सिध्यति ब्रह्मशतान्तरेऽपि ॥

भारतीय अध्यात्म परंपरा में आत्मज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। आदि शंकराचार्य ने अपने ग्रंथ विवेकचूड़ामणि में स्पष्ट कहा है कि केवल शास्त्रों का अध्ययन, देवताओं की पूजा, कर्मकांड अथवा भजन करने मात्र से मुक्ति संभव नहीं है। जब तक मनुष्य आत्मा में स्थित होकर आत्मैक्य का अनुभव नहीं करता, तब तक वास्तविक मोक्ष प्राप्त नहीं हो सकता।

प. पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहजयोग इसी आत्मबोध और आत्मसाक्षात्कार का सहज एवं वैज्ञानिक मार्ग प्रस्तुत करता है। सामान्यतः आत्मा-परमात्मा की बातें लोगों को जटिल और व्यावहारिक जीवन से अलग प्रतीत होती हैं, किन्तु वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में किसी गहन संतोष, आनंद और सत्य की खोज में लगा हुआ है। यह खोज तभी पूर्ण होती है जब मनुष्य अपने आत्मतत्व को जान लेता है।

सहजयोग में साधक को आत्मसाक्षात्कार का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है। यह अनुभव केवल बौद्धिक नहीं, बल्कि हृदय और सूक्ष्म शरीर पर महसूस किया जाने वाला जीवंत अनुभव है। आज के वैज्ञानिक युग में जहां मनुष्य बाहरी आडंबर, कर्मकांड, अंधविश्वास और कट्टरता में उलझता जा रहा है, वहीं सहजयोग ध्यान व्यक्ति को सत्य का प्रत्यक्ष अनुभव करने की प्रेरणा देता है।

श्रीमाताजी के अनुसार आत्मसाक्षात्कार के पश्चात व्यक्ति अपने चित्त को अंतर्मुखी बनाकर हृदय अथवा सहस्त्रार चक्र पर स्थिर करना सीखता है। परिणामस्वरूप वह भूत और भविष्य के विचारों से मुक्त होकर वर्तमान क्षण में स्थित हो जाता है। इस अवस्था को 'निर्विचार ध्यान' कहा गया है, जहां साधक आंतरिक शांति, आनंद और शक्ति का अनुभव करता है।

सहजयोग ध्यान के नियमित अभ्यास से तनाव, मानसिक अशांति, भय और अनेक प्रकार की परेशानियों से मुक्ति मिलने लगती है। व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, संतुलन और सकारात्मकता का विकास होता है। यह अनुभव न केवल आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है, बल्कि आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने का भी प्रभावी उपाय बनता है। इस अद्भुत एवं सहज अनुभव को प्राप्त करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को सहजयोग ध्यान को अवसर अवश्य देना चाहिए।

शादी या सज़ा? आधुनिक भारत में बदलते रिश्तों की कड़वी हकीकत

जब किसी युवती के जीवन में सपनों की रोशनी और आत्मनिर्भरता का विश्वास मौजूद हो, और वही जीवन शादी के कुछ ही महीनों बाद ससुराल की दीवारों के भीतर थम जाए, तो यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना पर सवाल बन जाता है। नोएडा की त्विषा शर्मा की संदिग्ध मृत्यु ने उस चुप्पी को तोड़ दिया, जिसे हम लंबे समय से ÷पारिवारिक मामला÷ कहकर नजरअंदाज करते आए हैं। ÷मैं फँस गई हूँ÷ जैसे अंतिम संदेश किसी साधारण स्थिति नहीं, बल्कि भीतर घुटते जीवन की दर्दभरी पुकार हैं, जिन्हें समय रहते सुनने में समाज असफल रहा। यह घटना याद दिलाती है कि हिंसा हमेशा खुले रूप में नहीं होती, बल्कि कई बार वह बंद दरवाजों के भीतर सबसे खतरनाक और अदृश्य रूप में मौजूद रहती है।

विवाह नहीं, नियंत्रण का ढांचा बनती सोच- त्विषा की घटना केवल एक व्यक्तिगत दुख नहीं, बल्कि उस सामाजिक सोच का प्रतिबिंब है जो विवाह को बराबरी का रिश्ता नहीं, बल्कि नियंत्रण और अपेक्षाओं का ढांचा मानती है। शादी के बाद महिला से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने सपनों को पीछे छोड़ दे, अपने फैसलों को सीमित कर दे और अपने अस्तित्व को परिवार की इच्छाओं में ढाल ले। दहेज की मांग, ताने और ÷समायोजन÷ के नाम पर सहनशीलता की परीक्षा—ये सब मिलकर एक अदृश्य बंधन बनाते हैं जहाँ हिंसा को सामान्य माना जाता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि समय के साथ यह सब इतना सामान्य हो जाता है कि पीड़िता अपने दर्द को पहचानने और व्यक्त करने की शक्ति खोने लगती है।

सवालों के घेरे में सच्चाई- जांच की उलझती परतें- इस मामले को केवल आरोपों तक सीमित रखना इसकी गंभीरता को पूरी तरह समझने में चूक होगी, क्योंकि इसके इर्द-गिर्द खड़े सवाल इसे और जटिल बना देते हैं। पति और सास पर लगे आरोप, अंतिम दिनों की संदिग्ध परिस्थितियाँ, सीसीटीवी फुटेज में समय का अंतर और परिवार की चुप्पी—ये सब किसी सामान्य घटना की ओर संकेत नहीं करते। जब जांच की शुरुआत ही विरोधाभासों से भरी हो, तो न्याय तक पहुँचना और कठिन हो जाता है। यह स्थिति दिखाती है कि प्रभाव और संसाधनों की ताकत किस तरह सच्चाई को धुंधला कर सकती है, यदि व्यवस्था सतर्क न रहे।

परंपरा या पितृसत्ता? हिंसा की जड़ें- घरेलू हिंसा की जड़ें केवल व्यक्तियों में नहीं, बल्कि उस सामाजिक ढांचे में हैं जो पितृसत्ता को परंपरा और संस्कृति का नाम देकर स्वीकार कर लेता है। लंबे समय से यह धारणा है कि घर का नियंत्रण पुरुष के हाथ में होना चाहिए और स्त्री का कर्तव्य केवल सहना है। यही सोच हिंसा को रोकने के बजाय उसे सामान्य बना देती है। जब लड़की को बचपन से यह सिखाया जाता है कि ÷रिश्ते निभाना÷ सबसे बड़ा धर्म है, तो वह कई बार अपने खिलाफ हो रही हिंसा को भी रिश्ते की कीमत समझकर स्वीकार कर लेती है। यही स्वीकार्यता सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि यह अपराध को अदृश्य बना देती है।

कानून मजबूत, न्याय कमजोर- सिस्टम की हकीकत- मजबूत कानूनी प्रावधानों के बावजूद वास्तविकता यह है कि न्याय की गति अक्सर पीड़िताओं के दर्द और उम्मीदों से पीछे रह जाती है। घरेलू हिंसा और दहेज निषेध जैसे कानून कागजों पर सख्त हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की कमी दिखाई देती है। थानों में आज भी ÷यह घर का मामला है÷ जैसी सोच मौजूद है। अदालतों की लंबी और थकाऊ प्रक्रिया, साथ ही सामाजिक दबाव, पीड़ित परिवारों को मानसिक रूप से कमजोर कर देते हैं। देर से मिला न्याय सुरक्षा नहीं, केवल औपचारिक निर्णय बनकर रह जाता है, और इसी कारण कई मामले न्याय तक पहुँच ही नहीं पाते। पीड़िता पर सवाल- समाज की सबसे बड़ी चूक- समाज की सबसे गहरी विडंबना उसकी उस प्रतिक्रिया में छिपी है, जो पीड़ा को समझने के बजाय पीड़िता के व्यवहार का मूल्यांकन करने लगती है। यहाँ प्रश्न यह नहीं होता कि उसने कितना सहा, बल्कि यह पूछा जाता है कि उसने विरोध क्यों नहीं किया। यही सोच पीड़िता को बार-बार चोट पहुँचाती है। त्विषा जैसे मामलों में चर्चा अक्सर उसकी जीवनशैली या रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमने लगती है, जबकि मूल सवाल यह होना चाहिए कि उसे सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण क्यों नहीं मिला। जब तक हम पीड़िता को संदेह की नजर से देखना बंद नहीं करेंगे, तब तक न्याय केवल एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर ही रह जाएगा।

बदलाव की अनिवार्यता- सोच और व्यवस्था का पुनर्गठन- आज जरूरत केवल कानूनों की नहीं, बल्कि व्यवस्था और सामाजिक सोच के गहरे एवं निर्णायक पुनर्गठन की है। हर थाने में प्रशिक्षित महिला सहायता इकाइयों की स्थापना, त्वरित फोरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य संरक्षण और समयबद्ध न्याय प्रक्रिया को अनिवार्य करना अब आवश्यकता है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में संबंधों की समझ, सहमति, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि घरेलू हिंसा कोई निजी विवाद नहीं, बल्कि गंभीर आपराधिक अपराध है। जब तक इसे सामाजिक शर्म के बजाय कानूनी अपराध के रूप में नहीं देखा जाएगा, तब तक बदलाव अधूरा ही रहेगा।

त्विषा की कहानी किसी खबर का अंत नहीं, बल्कि उस कठोर सच्चाई की शुरुआत है जिसे समाज बार-बार अनदेखा करता आया है। यह घटना सवाल उठाती है कि क्या हम ऐसा समाज बना पाए हैं जहाँ बेटी का जन्म उत्सव हो, लेकिन उसका जीवन सुरक्षित न हो? अब समय केवल नारों का नहीं, उन्हें वास्तविकता में बदलने का है—÷बेटी बचाओ÷ से आगे बढ़कर ÷बेटी को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान दो÷ को सच में अपनाना होगा। यदि हम आज भी मौन रहे, तो ऐसी घटनाएँ अपवाद नहीं, बल्कि एक दुखद सामान्यता बन जाएँगी, और यही किसी सभ्य समाज की सबसे बड़ी विफलता होगी।

-कृति आरके जैन

भारतीय युवाओं के मस्तिष्क को संकुचित करता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर , मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

-संजीव ठाकुर

लोन लेने वाली महिलाओं की बढ़ी तादाद मगर नहीं बनेगी बात, दो-तिहाई अब भी फॉर्मल सिस्टम से बाहर

भारत में उधार लेने वाली महिलाओं पर अब कुल 76 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है, जो देश की भारतीय बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली में कुल कर्ज का 26 प्रतिशत है। महिलाओं पर 2017 में करीब 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज था, जो 20 प्रतिशत सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा है।

नीति आयोग, ट्रांसयूनियन सिबिल, माइक्रोसेव कंसल्टिंग (एमएससी) और महिला उद्यमिता मंच ने मिलकर अप्रैल में 'फ्रॉम बॉरोअर्स टु बिल्डसर्- विमेन ऐंड इंडियाज इवॉल्विंग क्रेडिट मार्केट' रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसके मुताबिक महिलाओं द्वारा लिया जाने वाला कर्ज 2017 और 2025 के बीच आठ वर्ष में 4.8 गुना हो गया। इससे उपलब्धता के कारण समावेशन से शुरू हुई भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ने का संकेत मिलता है और यह भी पता चलता है कि कैसे अधिक से अधिक महिलाएं बड़ी रकम के खुदरा और कारोबारी ऋण ले रही हैं।

डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड के मार्च में जारी अध्ययन 'विमेन ऐंड फाइनैंस' के मुताबिक 2025 में लगभग 36 प्रतिशत महिलाओं पर कर्ज था। इसमें यह भी कहा गया है कि शहरी भारत में 69 प्रतिशत महिला उद्यमी वित्तीय मामलों में स्वयं निर्णय लेती हैं।

सबसे पहले हम पहले अध्ययन पर गौर करते हैं। इसके मुताबिक ऋण की प्रक्रिया तेजी से डिजिटल होने के कारण शुरुआती बाधाएं कम हुई हैं और छोटे-मोटे ऋण से आगे बढ़कर महिलाएं खुदरा और कारोबारी कर्ज ले रही हैं। ऋण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के ये दो अहम कारण बताए गए हैं। महिलाओं द्वारा कारोबार के लिए कर्ज सबसे तेजी से बढ़ा है और इसका हिस्सा 2017 के 16 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 25 प्रतिशत हो गया है।

दिसंबर 2017 से दिसंबर 2025 के बीच उन महिलाओं की संख्या 9 प्रतिशत सालाना बढ़ी, जिन पर कर्ज चल रहे थे। 2017 में केवल 19 प्रतिशत महिलाओं ने कर्ज लिए थे, जो संख्या 2025 में बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई और अब कर्ज की पात्र हर तीन महिलाओं में से एक औपचारिक तंत्र से कर्ज ले रही है।

नीति आयोग की 2017 से 2025 की रिपोर्ट में कर्ज लेने वाली महिलाओं को तीन श्रेणियों में रखा गया है। इनमें सूक्ष्म वित्त से कर्ज लेने वाली, खुदरा ऋण लेने वाली और कारोबारी ऋण लेने वाली महिलाएं हैं। इस दौरान ऋणों की हिस्सेदारी बदली है। खुदरा ऋण कुल ऋण में 71 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अब भी सबसे ऊपर है। मगर सबसे तेजी कारोबारी ऋण में आई, जिसका हिस्सा 16 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया है। सूक्ष्म वित्त केवल 4 प्रतिशत रह गयी है और इसमें खुदरा तथा कारोबारी ऋण के मुकाबले बहुत कम तेजी आ रही है, जिससे पता चलता है कि महिलाएं उद्यम शुरू करने में जुट रही हैं।

महिलाएं कर्ज को नियम से चुका भी रही हैं और कर्ज में चूक करने की उनकी दर बहुत कम है। युवा महिलाएं सोना गिरवी रखकर या वाहन के लिए कर्ज भी ले रही हैं। मगर सबसे निर्णायक बदलाव कारोबारी ऋण के मामले में दिखा है, जहां कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले तीन वर्ष में 31 प्रतिशत सालाना बढ़ी है, जो कुल वाणिज्यिक ऋण में वृद्धि की रफ्तार से दोगुनी है। 36 प्रतिशत महिलाओं का ऋण लेना बहुत अच्छी बात है मगर पात्रता रखने वाली करीब दो-तिहाई महिलाएं अब भी औपचारिक ऋण व्यवस्था से बाहर हैं।

अब डीबीएस बैंक इंडिया की 'विमेन ऐंड फाइनैंस' देखें तो इसके मुताबिक ज्यादा से ज्यादा महिलाएं वित्तीय फैसले खुद लेने लगी हैं। भारत में 1,342 महिलाओं पर किए गए इस सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि इनमें से 69 प्रतिशत उद्यमी वित्तीय फैसले वे खुद लेती हैं। ग्रामीण क्षेत्र में कमाने वाली 60 प्रतिशत महिलाएं और 58 प्रतिशत धनी महिलाएं अपने फैसले खुद लेती हैं।

इस सर्वेक्षण के मुताबिक कमाने वाली 76 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं को अपना पैसा खुद संभालने का भरोसा है, जबकि केवल 67 प्रतिशत धनाढ्य महिलाओं और 58 प्रतिशत महिला उद्यमियों में ऐसा भरोसा दिखा। जो महिलाएं वित्तीय फैसले खुद नहीं लेतीं, वे इसके लिए भरोसेमंद निजी संबंधों पर निर्भर रहती हैं। सर्वेक्षण में शामिल 55 प्रतिशत धनाढ्य महिलाएं इसके लिए पति या साथी से बात करती हैं और 50 प्रतिशत महिला उद्यमी ऐसा करती हैं। कमाऊ ग्रामीण महिलाओं में यही आंकड़ा 73 प्रतिशत है।

सर्वेक्षण में शामिल 64 प्रतिशत धनाढ्य और 73 प्रतिशत उद्यमी महिलाओं के लिए नया मकान या संपत्ति खरीदना बड़ी प्राथमिकता है, लेकिन कमाऊ ग्रामीण महिलाओं में 73 प्रतिशत की प्राथमिकता बच्चों को अच्छी शिक्षा है। महिला उद्यमियों में 44 प्रतिशत और धनाढ्यों में 29 प्रतिशत बैंकिंग, कर्ज आदि के लिए ऐप तथा वेबसाइट जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को सबसे पसंद करती हैं। 36 प्रतिशत धनाढ्य महिलाओं ने डिजिटल माध्यमों और व्यक्तिगत बातचीत के मिले-जुले मॉडल को तरजीह ती। मगर कमाऊ ग्रामीण महिलाओं में 47 प्रतिशत ने बैंक की शाखा तक जाने में ही भरोसा जताया।

डिजिटल माध्यम को महिला उद्यमी सबसे ज्यादा अपनाती हैं। सर्वेक्षण में शामिल 84 प्रतिशत महिलाएं यूपीआई और 59 प्रतिशत बैंकिंग ऐप का सक्रियता से इस्तेमाल करती हैं। धनाढ्य महिलाओं में 77 प्रतिशत ने यूपीआई और 52 प्रतिशत ने बचत-बैंकिंग ऐप के इस्तेमाल की बात कही।

दिलचस्प है कि कमाऊ ग्रामीण महिलाओं में 82 प्रतिशत स्मार्टफोन इस्तेमाल करती हैं मगर डिजिटल वित्तीय सेवाएं बहुत कम ने अपनाई हैं। सर्वेक्षण में शामिल ऐसी 44 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं को ऐप्स के बारे में जानकारी नहीं होने, 37 प्रतिशत ऑनलाइन घोटालों का डर होने और 31 प्रतिशत इंटरनेट सुचारु नहीं होने के कारण इससे दूर रहती हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की 'लखपति दीदी योजना' वाली झांकी ने 2025 के गणतंत्र दिवस पर सबका ध्यान खींचा। इसमें उद्यमों के जरिये महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण दर्शाया गया और 2023 में शुरू इस योजना को केंद्र में रखा गया। योजना का मकसद स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के लिए कम से कम 1 लाख रुपये सालाना आय पक्की करना है। सरकार के हालिया बयानों के मुताबिक लगभग 3 करोड़ महिला एसएचजी सदस्य 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। लक्ष्य को बढ़ाकर 2029 तक 6 करोड़ तय कर दिया गया है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

बचाव, पुनरुद्धार और सुधारः IBC के पहले दशक ने भारत की क्रेडिट संस्कृति को बदला

भारत जब बाजार अर्थव्यवस्था बना कारोबारी चक्र की गतिविधियां ङ्क विस्तार, मुश्किल और विफलता भी स्वाभाविक रूप से आ गईं। वृद्धि के दौर में बनी कई कंपनियां होड़ गहरी होने पर कदमताल नहीं कर पाईं। वे होड़ में पिछड़ गईं, आर्थिक रूप से काम की नहीं रहीं मगर निकासी की प्रभावी व्यवस्था नहीं होने के कारण बनी रहीं। इन मृतप्राय कंपनियों ने संसाधन तो खर्च किए मगर उत्पादकता में विशेष योगदान नहीं किया, जिसका असर आर्थिक वृद्धि पर भी पड़ा।

उनके लगातार बने रहने का असर नीचे तक गया। चूंकि ये कंपनियां कर्ज चुकाने में नाकाम रहीं, इसलिए बैंकों और खास तौर पर सरकारी बैंकों की बैलेंस शीट बिगड़ने लगी। नतीजे में कमजोर कंपनियों और कमजोर बैंकों का सिलसिला बन गया। यही दोहरी बैलेंस शीट की समस्या थी, जिसने निवेश और ऋण दोनों पर असर डाला।

उस समय मौजूद व्यवस्था इस पंगुता को खत्म करने में नाकाफी साबित हुई। इसी से निपटने के लिए संस्थागत व्यवस्था के रूप में दिवालिया एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) बनाई गई। विचार यह था कि जो कंपनियां चलने लायक नहीं हैं उन्हें समय पर निकलने का मौका दिया जाए, अहम कारोबारों को बचाया जाए, कर्ज के मामले में अनुशासन बने और कर्ज के रास्ते खोले जाएं। 10 वर्ष बाद आज यह देखने का सही समय है कि इसने अब तक क्या हासिल किया।

आईबीसी की सबसे स्पष्ट उपलब्धि रही है कि उसने कंपनियों के संकट का समाधान बाजार के जरिये किया। मार्च 2026 तक 1,419 कंपनियां स्वीकृत समाधान योजनाओं के साथ दिवालियापन से बाहर आ गईं और ऐसी कंपनियों का अनुपात बढ़ता जा रहा है। इससे पता चलता है कि लगातार विधायी हस्तक्षेपों के जरिये बचाव की गुंजाइश बढ़ी है, जबकि न्यायिक और नियामक दृष्टिकोण परिसमापन को अवांछनीय परिणाम मानकर टालने की कोशिश करते रहे।

ऋणदाताओं ने समाधान योजनाओं से 4.32 लाख करोड़ रुपये की वसूली की है। स्वीकृत दावों में लगभग दो-तिहाई रकम छोड़ देने (हेयरकट) का जो दावा किया जाता है, वह भ्रामक हो सकता है क्योंकि अक्सर दावे बढ़ा-चढ़ाकर किए जाते हैं जबकि दिवालियापन तक पहुंचते-पहुंचते कंपनियों की संपत्ति का मूल्य बहुत घट चुका होता है। अधिक सार्थक पैमाना है परिसमापन मूल्य। समाधान योजनाओं से परिसमापन मूल्य का औसतन 167 प्रतिशत मिला है।

महत्त्वपूर्ण बात है कि आईबीसी से समाधान पाने वाली कंपनियों के परिचालन में समाधान के बाद नई जान आ गई। पांच वर्ष के भीतर बिक्री और पूंजीगत व्यय दोगुने हो गए, परिसंपत्ति का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा और उन कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 2.8 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9 लाख करोड़ रुपये हो गया। नतीजतन कारखाने फिर चालू हुए, आपूर्ति श्रृंखलाएं फिर काम करने लगीं, नौकरियां बचीं और उत्पादक परिसंपत्तियों का आर्थिक इस्तेमाल होने लगा।

परिसमापन के आंकड़े सावधानी से देखने चाहिए। आईबीसी के तहत कुल मिलाकर 3,003 कंपनियां परिसमापन में गईं, लेकिन ज्यादातर के बचने की असली संभावना बहुत कम थी। उनकी परिसंपत्तियां स्वीकार किए गए दावों की बमुश्किल 5 प्रतिशत थीं और हर पांच में से चार कंपनियां दिवालियापन में आने से पहले ही बीमार थीं या ठप पड़ी थीं। आईबीसी ने उन कंपनियों को निकासी का व्यवस्थित रास्ता ही दिया, जो प्रक्रिया शुरू होने से बहुत पहले ही विफल हो चुकी थीं। फिर भी भारत में परिसमापन की घटनाएं अमेरिका के बराबर हैं और यूनाइटेड किंगडम तथा ऑस्ट्रेलिया की तुलना में काफी कम हैं।

फिर भी ज्यादातर कंपनियां बंद करने के बजाय बचाई गई हैं। समाधान योजनाओं ने 78 प्रतिशत संकटग्रस्त परिसंपत्तियों को बचाया और परिसमापन केवल 22 प्रतिशत का हुआ। समाधान योजनाएं, वापसी, समझौते, अपील और परिसमापन के दौरान बचाव जैसे पुनर्जीवन के सभी तरीके देखें तो फिर जीवित हुई कंपनियों की संख्या खत्म हुई कंपनियों से ज्यादा है।

बैंकिंग प्रणाली का पटरी पर लौटना बताता है कि आईबीसी का कितना आर्थिक असर हुआ। संकटग्रस्त संपत्तियों से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वसूली का सबसे बड़ा हिस्सा आईबीसी से ही आया है, जो वसूली की अन्य प्रक्रियाओं से ज्यादा है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां 2018 में 14.8 प्रतिशत थीं, जो 2025 तक घटकर 2.2 प्रतिशत ही रह गईं। भारतीय रिजर्व बैंक अब 'दोहरी बैलेंस शीट के लाभ' की बात करता है, संकट की नहीं।

अंतरराष्ट्रीय आकलन भी यही कहते हैं। विश्व बैंक के कारोबारी सुगमता संकेतकों में दिवालियापन सुलझाने के मामले में भारत की रैंकिंग तीन वर्षों में ही 136 से बढ़कर 52 हो गई। वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने ऋणदाताओं के मजबूत संरक्षण और बेहतर वसूली परिणामों को स्वीकार किया।

शायद आईबीसी का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रभाव औपचारिक समाधान आंकड़ों से बाहर है। जो प्रवर्तक ऋणदाताओं को अनदेखा करते थे, दिवालिया कार्यवाही के डर से या उसके शुरू होते ही बकाया चुकाने लगे हैं। करीब 15 लाख करोड़ रुपये डीफॉल्ट के लगभग 32,000 आवेदन दाखिल होने से पहले ही वापस ले लिए गए, जिससे पता चलता है कि कानून के तहत कितना अधिक पुनर्गठन हुआ।

फिर भी बैलेंस शीट पूरी तरह बेदाग नहीं है। समयसीमा आईबीसी की सबसे बड़ी कमजोरी है। जो प्रक्रिया कुछ महीनों में पूरी हो सकती है, वह अक्सर वर्षों तक खिंच जाती है और कई बार तो शुरुआत होने में ही एक वर्ष से ज्यादा लग जाता है। न्यायाधिकरणों में कर्मचारियों की कमी और प्रवर्तकों, ऋणदाताओं तथा सरकारी अधिकारियों द्वारा बार-बार मुकदमों ने प्रणाली को हर कदम पर अटकाया है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने बताया कि लगभग 400 स्वीकृत समाधान योजनाएं अंतिम मंजूरी की बाट जोह रही हैं और कुछ तो कई वर्ष से अटकी हैं।

एक और बड़ी कमी है ऐसे मामलों से निपटने की है, जहां कंपनी ने जानबूझकर ऐसा लेनदेन किया है, जिससे ऋणदाताओं को कम पैसा मिले।

ऐसे मामलों में वरीयता प्राप्त, अवमूल्यित, धोखाधड़ीपूर्ण और जबरन वसूली वाले ऋण लेन-देन शामिल होते हैं। ये कार्यवाही अहम हैं क्योंकि वे ही संकटग्रस्त कंपनियों से गलत तरीके से निकाली गई संपत्ति वापस लाती हैं और समाधान योजनाओं को ज्यादा कारगर बना सकती हैं। फिर भी 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के दावों वाली हजारों ऐसी याचिकाएं लंबित हैं और बड़ी कीमत समाधान प्रक्रिया के बाहर फंसी हुई है।

संहिता के जरिये होने वाले बंटवारे पर भी चिंता हुई हैं। परिचालन के लिए कर्ज देने वालों को अक्सर कम रकम मिलती है और रेहन लेने वाले वित्तीय ऋणदाता रेहन संपत्ति की कीमत से ज्यादा रकम पा जाते हैं। कई समाधान प्रक्रियाएं कंपनियों को पुनर्जीवित करने के बजाय कर्ज वसूली की कवायद लगने लगी हैं, इससे कंपनियां बजाने का आईबीसी की मूल सिद्धांत कमजोर होता है।

संहिता उन क्षेत्रों में भी संघर्ष कर रही है जहां हितधारक बिखरे हुए हैं। जैसे रियल एस्टेट में वित्तीय ऋणदाता का दर्जा पाने के बाद भी मकान खरीदार अक्सर लंबी दिवालिया कार्यवाही में फंसे रहते हैं, कब्जा नहीं ले पाते हैं, ऊहापोह बनी रहती है और नतीजे पर उनका जोर कम होता है।

शायद आईबीसी का सबसे महत्वाकांक्षी वादा भी पूरा नहीं हो सका है। व्यक्तियों और साझेदारी फर्मों को दिवालियापन समाधान की सुविधा देने वाला संहिता का भाग तीन एक दशक बाद भी बड़े पैमाने पर लागू नहीं हो पाया है। इसलिए असफल उद्यमी अरसे तक नाकामी का बोझ और कलंक ढोते रहते हैं और नई आर्थिक शुरुआत का वादा साकार नहीं हो पाता।

ईमानदारी से पढ़ें तो आईबीसी के पहले दशक ने कई कमियों के बाद भी आर्थिक संकट से निपटने का भारत का नजरिया काफी बदल दिया है।

-धनंजय राजौरा

अमलतास विशेष विद्यालय की अनूठी पहल, व्यवहारिक प्रशिक्षण से बढ़ा बच्चों का आत्मविश्वास

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष बच्चों को आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में अमलतास विशेष विद्यालय द्वारा एक प्रेरणादायक पहल की गई। विद्यालय के बच्चों को शैक्षणिक एवं लाइफ स्किल्स आधारित भ्रमण के तहत डी-मार्ट ले जाया गया, जहां उन्होंने खरीदारी, वस्तुओं की पहचान, चयन, भुगतान और लेन-देन जैसी दैनिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवहारिक कुशलताओं का अनुभव प्राप्त किया।

भ्रमण के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में उन्होंने न केवल आवश्यक वस्तुओं की पहचान की, बल्कि उनकी कीमत समझने, सही वस्तु चुनने और भुगतान प्रक्रिया को भी व्यवहारिक रूप से सीखा। इस अनुभव ने बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा प्रदान की और उन्हें स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. भारती लाहोरिया ने कहा कि विशेष बच्चों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में इस प्रकार के व्यवहारिक शिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कक्षा की पढ़ाई के साथ जब बच्चों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से परिचित कराया जाता है, तो उनमें आत्मनिर्भरता, निर्णय क्षमता और सामाजिक सहभागिता का विकास होता है।

अमलतास ग्रुप के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया ने कहा कि बच्चों को जीवन के व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना ही वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य है। ऐसे प्रयास विशेष बच्चों में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भ्रमण के दौरान विद्यालय के विशेष शिक्षक, थेरेपिस्ट एवं सहायक स्टाफ भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। यह पहल विशेष बच्चों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समाज का सक्रिय नागरिक बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुई।

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में 'परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन' पर विशेष सत्र का आयोजन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परीक्षाओं के समय छात्र-छात्राओं में बढ़ते मानसिक दबाव और तनाव को दूर करने के उद्देश्य से स्थानीय शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर में एक विशेष तनाव प्रबंधन सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के भय से मुक्त करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था।

सत्र के मुख्य वक्ता प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. पराग जैन थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल आपके ज्ञान का मूल्यांकन है न कि आपके जीवन का। डॉ. जैन ने विद्यार्थियों को टाइम मैनेजमेंट, ध्यान (मेडिटेशन), संतुलित आहार और सकारात्मक सोच के जरिए परीक्षा के तनाव को कम करने के कई व्यावहारिक टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि थोड़े से मानसिक अनुशासन और सही रणनीति से परीक्षा के डर को आत्मविश्वास में बदला जा सकता हैं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री जोगेंद्र भारती ने सत्र की रूपरेखा तैयार की और विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने और खुद पर भरोसा रखने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्राचार्य श्री विपुल परमार्थी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि कॉलेज प्रशासन हमेशा उनके शैक्षणिक और मानसिक सहयोग के लिए तत्पर हैं। उन्होंने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया।

इस अवसर पर कॉलेज का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों की शंकाओं और उनके सवालों का विशेषज्ञ द्वारा समाधान भी किया गया।

आज से आंधी व बारिश के साथ मिलेगी गर्मी से राहत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अप्रैल माह से शुरू हुआ भीषण गर्मी का दौर अब समापन की ओर है। मौसम विभाग की माने तो आज से आंधी व बारिश शुरू होगी जिससे मौसम में ठंडक घुलेगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। शुक्रवार को भी ठंडी हवाओं की उपस्थिति ने लोगों को राहत प्रदान की और तापमान भी कम हुआ। करीब डेढ़ माह से नगरवासी भीषण गर्मी की चपेट में थे और तापमान भी 40 से 45 डिग्री बना हुआ था। हालात ये थे कि दोपहर के वक्त पूरा शहर सन्नाटे में रहता था। शाम को भी लोगों को कूलर व एसी के सहारे ही दिन गुजारना पड़ रहे थे। बुधवार को भी तापमान में उछाल आने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो रहा था। लेकिन गुरूवार रात से हवाओं ने नगर में अपना डेरा डाला जिससे अब गर्मी से राहत मिलने लगी है। शुक्रवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 42.5 व न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री दर्ज किया गया। इस दिन 15 किमी की गति से ठंडी हवाएं चली जिससे लोगों को गर्मी से फोरी राहत मिली। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि शनिवार व रविवार को दोपहर बाद आंधी के साथ गरज-चमक संभावित है। जिससे मौसम में ठंडक घुलेगी।

आज तीन घंटे बंद रहेगा विद्युत प्रदाय

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के आधा दर्जन क्षेत्रों में बिजली प्रदाय बंद रहेगा। क्योंकि विद्युत कंपनी द्वारा मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा। बिजली वितरण कंपनी ने बताया कि 33/11 केवी मुरादपुरा उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी नई सड़क फीडर पर सुधार कार्य किया जाएगा। यह कार्य सुबह 7 बजे से 10 बजे तक चलेगा। कंपनी अधिकारियों के अनुसार इस मेंटेनेंस कार्य के दौरान 12 नंबर पोल की जीआई अर्थिंग वायर बदलने का काम किया जाना है। इस आवश्यक सुधार कार्य के चलते नई सड़क सेक्शन बंद रहेगा।

खरीफ फसलों की बुवाई के लिए आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करें- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में कृषि उत्पादन आयुक्त की आगामी एपीसी बैठक के संबंध में आज कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने बैठक में रबी वर्ष 2025-26 के दौरान विभागों द्वारा किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को आगामी खरीफ वर्ष 2026 की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना द्वारा खरीफ 2026 के लिए उर्वरक एवं बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति कृषकों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर विशेष जोर देने के लिए कहा।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने कृषि विभाग को खरीफ फसलों की बुवाई के लिए आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने, सोयाबीन की नवीन उन्नत किस्मों से प्रचलित पारंपरिक किस्मों से प्रतिस्थापन एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने संबंधी गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सहकारिता विभाग को समितियों के माध्यम से कृषकों को आवश्यक कृषि आदान सामग्री का सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए कहा। पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग को पशु स्वास्थ्य, कृत्रिम गर्भाधान एवं टीकाकरण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा दुग्ध उत्पादन एवं गुणवत्ता निश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। मत्स्य पालन विभाग को मत्स्य संवर्धन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित कर कृषक हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कृषि विभाग, आत्मा परियोजना, उद्यानिक एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, दुग्ध उत्पादन विभाग, मंडी बोर्ड सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जन चेतना सामाजिक संस्था ने सावरकर की 143 वी जयंती पर आयोजिया किया व्याख्यान

हमारे सभी तीर्थ यही इसलिए भारत सर्वाधिकार सनातनियों का- खट्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर सावरकर जयंती के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सनातन एकता को समर्पित विचारधारा आधारित विशाल कार्यक्रम का आयोजन जनचेतना सामाजिक संस्था के तत्वाधान में किया गया। सनातन एकता एवं धर्म स्वातंर्त्य वीर विनायक दामोदर राव सावरकर विषय पर मुख्य वक्ता गौतम खट्टर के संबोधन को सुनने हजारों की संख्या में श्रोता उपस्थित रहे। वक्ता के रूप में वरिष्ठ समाज सेवी एवं भाजपा नेता प्रदीप त्रिपाठी ने वीर सावरकर के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्ष काल की भीषण यात्रा को प्रकाशित पुस्तकों के आधार पर सामने रखा। सनातन महासंघ के संस्थापक गौतम खट्टर संपूर्ण देश में विचरण करके सनातन संस्कृति एवं चुनौतियों को लेकर बेलाग विचार रखने हेतू जाने जाते हैं। इस अवसर पर देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, भाजपा जिलाध्यक्ष डा. रायसिंह सेंधव, नगर निगम अध्यक्ष रवि जैन, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पुर्व विकास प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव, नगर निगम नेता सत्तापक्ष मनीष सेन तथा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री संजय दायमा ने गौतम खट्टर और प्रदीप त्रिपाठी का स्वागत किया। संस्था अध्यक्ष सुदेश सांगते ने उपस्थित श्रोताओं एवं अतिथिगण से मुख्य वक्ता का परिचय कराया। स्वागत भाषण जन चेतना सामाजिक संस्था संयोजक अजय तोमर ने दिया तथा संस्था की कार्यविधि से अवगत कराया। अपनी चिर परिचित प्रखर शैली में श्री खट्टर ने हिन्दुओं में आत्म चिंतन की आवश्यकता पर बल दिया। गौ रक्षा के क्षेत्र में समाज को ही उन लोगों को सबक सिखाना होगा जो हिन्दू होते हुए भी

गौवध का कारण बनते हैं। इसी तरह नवदुर्गा या अन्य त्यौहारों पर हम नाचते गाते हैं परंतु त्यौहार की मूल संस्कृति से परिचित नहीं होते। युवा पीढ़ी कही न कही अपनी ज्ञान परंपरा के प्रति बेरूखी है। देवी अहिल्या बाई ने उत्तर से दक्षिण तक मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्वार कराया उनका नाम मालवा तो जानता परंतु मेरे प्रदेश में बहुत कम लोग जानते है। भारत पर पूर्ण अधिकार स्थानीयों का ही है क्योंकि प्रत्येक सनातनी के सभी तीर्थ क्षेत्र भारत भूमि पर ही है उन्हें देश से बाहर नहीं जाना होता। मंदिरो पर ही सरकार का नियंत्रण क्यों है अन्य धर्म स्थलों पर नही यह प्रश्न उठता रहेगा और सरकार से जवाब भी मांगा जाता रहेगा। नारीशक्ति अपनी सनातमी धर्म शक्ति से परिचित हो, वो शक्तिस्वरूपा है इसलिए उत्सव में डांडिया नृत्य करे परंतु डंडा चलाना भी याद रखे। सनातन एकता भेदभाव की भावना मिटाकर ही सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर सभी ने हुनमान चालीसा का पाठ भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्रेया चौबे ने किया और आभार सुदेश सांगते ने माना। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रितु सबनेर पार्षद, उषा खत्री पार्षद, निधि वर्मा पार्षद, खुशबू वर्मा पार्षद, कविता सिसोदिया, अक्षरा तोमर, गोपाल खत्री, योगेश शर्मा, भूपेश ठाकुर पार्षद, संजय ठाकुर, निलेश वर्मा, रामदयाल यादव पार्षद, धर्मेश जोशी नारायण शर्मा संजय शर्मा गंपू, राहुल गोस्वामी, सुरेंद्र गायकवाड, नीरज पटेल, सचिन राठौर, माखन सूर्यवंशी का सहयोग।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के अंतर्गत शिक्षक गरिमा शिविर गायत्री शक्तिपीठ पर सम्पन्न

देवास- बच्चों के सर्वांगीण विकास में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका - अजय मिश्रा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के अंतर्गत शिक्षक गरिमा शिविर गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर देवास पर सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रदेश संयोजक श्रीकृष्ण शर्मा, सह समन्वयक उपझोन इन्दौर महेंद्र गुप्ता, जिला समन्वयक बी. एल. खंडेलवाल, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक शिवनारायण शर्मा एवं सहायक प्रबंधक ई गवर्नेंश जिलाधीश कार्यालय के मनोज कुमार थे।

गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि अतिथियों द्वारा श्रीवेद माता गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा का पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों एवं उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं का मंगल तिलक लगाकर मोतियों की माला एवं गायत्री परिवार का उपवस्त्र (दुपट्टा) पहनाकर स्वागत किया गया। गायत्री शक्तिपीठ देवास के बाल संस्कार शाला की नन्ही बालिकाओं द्वारा गुरु वंदना व सरस्वती वंदना संगीतमय प्रस्तुत की गई । कार्यक्रम का संचालन करते हुए हरिद्वार से प्रशिक्षित शिक्षक एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के पूर्व जिला संयोजक पं. देवीशंकर तिवारी ने कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए उपस्थित सभी परिजनों का शब्दों व ह्रदय की गहराई से स्वागत किया गया ।

प्रशिक्षण शिविर के प्रारंभिक प्रथम सत्र में गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला सचिव अरविंद शर्मा ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के उद्देश्य एवं स्वरुप पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित शिक्षकों व परिजनों को आगामी शिक्षा सत्र में जिले की बेहतर कार्य योजना बनाने हेतु चर्चा की एवं अपने अनुभव साझा किए। वरिष्ठ परिजन अरुण कुमार शैव्य ने शिक्षा ही नहीं विद्या भी विषय पर प्रकाश डाला। युवा प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने छात्रों में विचार क्रांति अभियान क्यों और कैसे पर विस्तार से प्रभावी चर्चा की स मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने परीक्षा के लिए विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग की बात करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

मैंने स्वयं ने भी विद्यार्थी जीवन में यह परीक्षा दी है, इसका सुखद अनुभव जीवन में है स मनोज कुमार ने कहा कि हम सुधरेंगे तो सब सुधर जाएंगे। इस तथ्य पर हमें विश्वास कर चलना होगा तभी संभव होगा। जितेन्द्र त्रिवेदी ने गायत्री यज्ञ, सदविचार एवं सत्कर्म एवं लक्षित दुबे ने अध्यापक है युग निर्माता, महेंद्र गुप्ता ने अधिक से अधिक छात्रों को परीक्षा में बिठाने की बात कहते हुए अपने विचार रखे।

परीक्षा के जिला संयोजक शिवनारायण शर्मा ने अगले वर्ष अधिक से अधिक छात्रों को परीक्षा में बिठाने का लक्ष्य का संकल्प लिया और सभी से सहयोग की अपेक्षा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीकृष्ण शर्मा ने संपूर्ण कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उक्त परीक्षा के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव की मंशा अनुसार बच्चों का सर्वांगीण विकास हो, उसमें हमारी भारतीय संस्कृति के साथ संस्कार एवं सभ्यता जीवन में मार्गदर्शन प्रदान करें तभी वह जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेगा एवं अपना जीवन को सफल बना सकेंगे । इस अवसर पर कांतिलाल पटेल, रमेशचन्द्र मोदी, गणेश व्यास, राधेश्याम सोलंकी, रमेशचंद्र मेहता, सतीशचन्द्र तिवारी, सालिगराम सकलेचा, लक्ष्मीनारायण मोहरी, सुरेश बालपाण्डेय, दिलीपसिंह सोलंकी, हरिओम लोटन, गुलाबसिंह सोलंकी, सुरेंद्र दुबे, फूलसिंह नागर, वासुदेव जोशी, टीना सोलंकी एवं दयानन्द लुनिया सहित गायत्री परिजन उपस्थित थे । अंत में टोंकखुर्द तहसील समन्वयक हजारीलाल चौहान ने आभार व्यक्त किया ।

पॉक्सो एक्ट व पीड़ितों की सहायता के अधिकारियों को दिए निर्देश

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कंट्रोल रूम में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जागृति योजना 2025 के तहत सुरक्षित बचपन सुरक्षित भविष्य अभियान के अंतर्गत यह कार्यशाला हुई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पॉक्सो अधिनियम 2012 की जानकारी देना था, जिसमें महिला एवं बाल अपराधों में संवेदनशीलता और कानूनी प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई।

कार्यशाला में न्यायाधीश रंजीता राव सोलंकी ने पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़िता को सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। न्यायाधीश सोलंकी ने पुलिस अधिकारियों के लिए व्यवहारिक दक्षता, उच्च स्तरीय पुलिसिंग और नम्र व्यवहार को पीड़ितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नमिता बोरासी ने अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना के बारे में बताया।

उन्होंने जानकारी दी कि पीड़ितों के पुनर्वास और सामान्य जीवन यापन के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

एडीपीओ प्रदीप कुमार भटेले ने मामलों में वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्रित करने और उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया। इस कार्यशाला में लगभग 50 महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में मिला अव्यवस्थाओं का अंबार

संयुक्त संचालक ने चिकित्सकों को लगाई फटकार, दिए सुधार के निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में विभाग के वरिष्ठ संयुक्त संचालक द्वारा शुक्रवार को निरीक्षण किया गया, जिसमें कई सारी अव्यवस्थाएं सामने आई। कई बार तो संयुक्त संचालक अव्यवस्थाएं देख इतने नाराज हुए कि उन्हें अधिकारियों को फटकार भी लगाना पड़ी। कहीं एक्सयपायरी डेट के इंजेक्शन मिले तो कहीं अधूरी किट मिली। तो कहीं ड्यूटी से डॉक्टर नदारद मिले।

वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. निदारिया शुक्रवार को जिला अस्पताल निरीक्षण करने पहुंचे। जिन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सिविल सर्जन और सीएमएचओ को तत्काल सुधार के कड़े निर्देश दिए। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ निरीक्षण में व्यवस्थाओं की पोल खुलती चली गई। कभी इमरजेंसी किट अधूरी मिली, कभी डॉक्टर गायब मिले तो कहीं पीआईसीयू के बाहर बना मीटिंग हाल देखकर ही अधिकारी भड़क गए।

ट्रामा सेंटर से की निरीक्षण की शुरूआत- जिला अस्पताल पहुंचे डॉ. निदारिया ने अपने निरीक्षण की शुरूआत ट्रामा सेंटर से की। इसके बाद वे इमरजेंसी वार्ड क्रमांक-29 में पहुंचकर उन्होंने डॉक्टर से इमरजेंसी किट मंगवाई, लेकिन किट में जरूरी सामान अधूरा मिला। इस पर उन्होंने डॉक्टर रवि सोनी को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि जब तक निरीक्षण चल रहा है पूरी किट तत्काल यहां उपलब्ध होनी चाहिए। दवा वितरण केंद्र में भी कुछ खामियां मिलने पर सुधार के निर्देश दिए। फिर मरीजों की एंट्री के लिए बनाए गए अलग कक्ष को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने साफ कहा कि एक ही जगह रजिस्ट्रेशन होना चाहिए, बार-बार मरीजों को भटकाना ठीक नहीं है। इमरजेंसी डॉक्टर के बैठने की व्यवस्था पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि डॉक्टर कक्ष नंबर-3 में बैठते हैं और मरीज इमरजेंसी वार्ड में परेशान होते रहते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इमरजेंसी ड्यूटी डॉक्टर वार्ड नंबर-29 के पास ही बैठेंगे।

इमरजेंसी वार्ड में ही नहीं थे डॉक्टर, भड़के अधिकारी- जब डॉ. निदारिया दूसरी मंजिल पर वार्ड में भर्ती बच्चों की जानकारी ली गई। इसी दौरान बच्चों के डॉक्टर उमेश गौतम के निजी क्लीनिक के रजिस्ट्रेशन को लेकर सीएमएचओ ने हंसते हुए कहा कि रजिस्ट्रेशन नहीं है, तो डॉ. निदारिया ने तुरंत पूछा फिर काम कैसे चल रहा है। अस्पताल के एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां भर्ती कई बच्चों को पहले निजी क्लीनिक पर देखा जाता है और बाद में जिला अस्पताल में भर्ती किया जाता है। इसके बाद भर्ती मरीजों के वार्ड में पहुंचकर दवाइयों और गोलियों की व्यवस्था देखी गई। व्यवस्थाएं ठीक नहीं मिलने पर सुधार के निर्देश दिए गए। इसी बीच अधिकारी दोबारा इमरजेंसी वार्ड पहुंचे, जहां डॉक्टर अनुपस्थित मिले। यही नहीं जब संयुक्त संचालक ऑपरेशन थिएटर में पहुंचे और रोज होने वाले सीजर ऑपरेशन की जानकारी मांगी तो अस्पताल प्रशासन सही आंकड़े नहीं दे पाया। उन्होंने रात 12 बजे से सुबह तक होने वाले सीजर और रेफर मरीजों की पूरी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही सिविल सर्जन से पूछा कि कौन-कौन कर्मचारी कितने वर्षों से यहां पदस्थ हैं। इसकी पूरी लिस्ट लाकर मुझे दीजिएगा। इस पर भी सीएस स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

मंडोदा में चल रहा अवैध खनन, शिकायत करने पर किया ट्रेक्टर से कुचलने का प्रयास

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम मण्डोदा में पिछले दो वर्षो से अवैध खनन हो रहा है। शुक्रवार दोपहर बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन देकर दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी हमने शिकायत का प्रयास किया था तो हमें ट्रेक्टर से कुचलने का प्रयास किया था। लेकिन अब हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों का आरोप है कि आबादी क्षेत्र के तालाब और उसकी पाल को जेसीबी मशीनों से खोदा जा रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि पूरी बस्ती के स्वास्थ्य पर भी संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब के समीप करीब 500 से 600 लोगों की बस्ती स्थित है। अवैध उत्खनन के कारण उड़ने वाली धूल सीधे घरों में पहुंच रही है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। साथ ही अवैध खनन के कारण तालाब के चारों ओर गहरे और जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। पूर्व में इन्हीं में से एक गड्ढे में डूबने के कारण एक मासूम बालक की जान भी जा चुकी है।

विरोध करने पर जान से मारने की कोशिश- ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि 28 मई को जब उन्होंने एकजुट होकर अवैध उत्खनन रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उन पर जेसीबी और ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। दबंगों की इस हरकत से डरे ग्रामीण जान बचाकर वहां से भागे। ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने कई बार डायल 100 पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन स्थानीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

तस्वीरें और सीडी लेकर पहुंचे कलेक्ट्रेट- अवैध खनन के पुख्ता प्रमाण के रूप में ग्रामीणों ने प्रशासन को मौके की तस्वीरें और एक सीडी भी सौंपी है। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन तत्काल मौके पर दबिश देकर उत्खनन में प्रयुक्त मशीनों को जब्त करे और दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करे। इसके बाद एसडीएम मनीषा वास्कले ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग को जांच और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ की अनूठी मिसालः जनसेवक शेखर यादव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर नगर परिषद् के विकास और जनता की सुख-सुविधाओं के लिए पूरी तरह समर्पित अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव आज अपनी कर्तव्यनिष्ठा, दूरदर्शिता और अद्भुत सूझबूझ के बल पर पूरे क्षेत्र में एक मिसाल बनकर उभरे हैं। राजनीति और जनप्रतिनिधित्व को मात्र एक पद न मानते हुए, उसे विशुद्ध जनसेवा का माध्यम बनाने वाले शेखर यादव के लिए जनता की परेशानी का समाधान सबसे पहला संकल्प है। उनके लिए न दिन मायने रखता है और न रात, जब भी नगरहित की बात आती है, वे अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखाई देते हैं।

सच्चा नेतृत्व वही है जो संकट के समय वातानुकूलित कमरों से बाहर निकलकर सीधे मोर्चे पर खड़ा हो जाए। ऐसा ही वाकया हाल ही में बागेड़ी फ़िल्टर प्लांट पर देखने को मिला। जब नगर की जल प्रदाय व्यवस्था अचानक ठप होने की कगार पर पहुँच गई, तब शेखर यादव ने न तो समय देखा और न ही अपनी सुख-सुविधा। रात के 11:00 बजे, जब पूरा नगर विश्राम कर रहा था, तब वे तत्काल तकनीकी कर्मचारियों और मैकेनिक की टीम को साथ लेकर नगर से 3 किलोमीटर दूर स्थित बागेड़ी डैम फ़िल्टर प्लांट पर पहुँच गए। उनकी इस सजगता और रातभर मौके पर खड़े रहकर कार्य कराने की लगन के कारण ही अगली सुबह नगरवासियों को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ा।

नगर परिषद् जैसी स्थानीय संस्थाओं के पास सीमित संसाधन और बजट होता है। ऐसे में एक कुशल प्रशासक वही है जो कम खर्चे में सर्वश्रेष्ठ परिणाम दे सके। बागेड़ी डैम फ़िल्टर प्लांट पर लगी 75 एचपी की दो महत्वपूर्ण मोटरें काफी पुरानी होने के कारण पूरी तरह खराब हो चुकी थीं। कर्मचारियों का सुझाव था कि इन्हें तुरंत बदला जाए। जब बाजार से नई मोटरों की कीमत का आकलन किया गया, तो वह लगभग 13 लाख रुपये आंकी गई। इतनी बड़ी राशि का खर्च नगर परिषद पर एक भारी वित्तीय बोझ होता।

यहीं पर शेखर यादव के लंबे प्रशासनिक अनुभव और सूझबूझ ने काम किया। उन्होंने बिना देर किए बाजार से सीधे नई मोटरें खरीदने के बजाय एक अनुभवी और कुशल मैकेनिक को प्लांट पर बुलवाया। उन्होंने मैकेनिक से चर्चा की कि क्या इन मोटरों की मरम्मत कर इन्हें दोबारा चालू किया जा सकता है? मैकेनिक ने मोटरों के कुछ अंदरूनी कल-पुर्जे बदलने की सलाह दी। यादव ने त्वरित निर्णय लेते हुए तत्काल उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण और सामान उपलब्ध करवाए। परिणाम यह हुआ कि जो काम 13 लाख रुपये में होने वाला था, वह मात्र 20 हजार रुपये के मामूली खर्च में संपन्न हो गया और दोनों मोटरें बिल्कुल नई मोटरों की तरह काम करने लगीं।

शेखर यादव के इस निर्णय से न केवल 13 लाख रुपये के भारी-भरकम खर्च से मुक्ति मिली, बल्कि तकनीकी दक्षता भी बढ़ गई। जो मोटरें पहले पानी की टंकी भरने में पूरे 5 घंटे का समय लेती थीं, वही अब पुर्जे बदलने के बाद मात्र 3.5 घंटे में पूरी क्षमता से पानी भर रही हैं। मोटर के कम समय चलने के कारण नगर परिषद् के बिजली बिल में भी हर महीने एक बड़ी कटौती होगी, जो दीर्घकालिक वित्तीय बचत का मार्ग प्रशस्त करती है।

जल शुद्धि के क्षेत्र में भी शेखर यादव ने पारंपरिक और खर्चीली पद्धतियों को बदलकर एक बेहतरीन तकनीकी नवाचार किया। पूर्व में फ़िल्टर प्लांट में पानी को साफ करने के लिए पारंपरिक बालू रेत का उपयोग किया जाता था। बालू रेत वजन में अत्यधिक भारी होने के कारण समय के साथ नीचे जम जाती थी, जिससे पानी का फिल्टरेशन सुचारू रूप से नहीं हो पाता था और पानी में पूरी सफेदी व स्वच्छता नहीं आ पाती थी। इसके अतिरिक्त, बालू रेत का बार-बार का खर्चा भी बहुत अधिक बैठता था। इस समस्या के स्थाई समाधान हेतु यादव ने विशेष रुचि ली और पिछले वर्ष राजस्थान से 5, 8, 10 और 12 एमएम आकार की लगभग 180 टन विशेष %लाल गिट्टी% मंगवाकर फ़िल्टर प्लांट के बेड में डलवाई। इस वैज्ञानिक बदलाव के कारण पानी की छनाई प्रक्रिया में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। अब बदनावर की जनता को पहले की तुलना में कहीं अधिक शुद्ध, स्वच्छ और कीटाणुरहित पेयजल प्राप्त हो रहा है।

इन्हीं कड़े और प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि आज बदनावर नगर परिषद अपने समस्त वार्डवासियों को सुबह और शाम मिलाकर प्रतिदिन लगभग 35 लाख लीटर शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति कर रही है। भीषण गर्मी या किसी भी तकनीकी खराबी के दौरान भी यादव की चौबीसों घंटे सक्रियता यह सुनिश्चित करती है कि नगर की जल वितरण व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न न हो।

शेखर यादव का एकमात्र लक्ष्य बदनावर जैसी छोटी सी नगर परिषद् को विकास, नवाचार और नागरिक सुविधाओं के मामले में मध्य प्रदेश की अन्य बड़ी नगर पालिकाओं और परिषदों से आगे ले जाना है। वे हर उस कार्य को करने में सदैव तत्पर रहते हैं जिससे आम जनता का जीवन सुगम और सरल बन सके। नगर की जनता भी यादव के प्रयासों को सराहा है, जो यह साबित करता है कि जब नीयत साफ हो और नीति सही हो, तो धरातल पर बदलाव निश्चित रूप से दिखाई देता है।

नकली धान बीज की पैकिंग करने पर दो विक्रेताओं पर पनागर थाने में एफआईआर दर्ज

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में खाद, बीज एवं कीटनाशकों के वितरण में अनियमितता और कालाबाजारी रोकने चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत धान की कनक क्रांति गोल्ड और एमटीयू-1010 किस्म के बीज की नकली पैकिंग करते पाये जाने पर दो बीज विक्रेताओं के विरूद्ध कृषि विभाग द्वारा पनागर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पनागर विकासखंड के बीज निरीक्षक और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा के दिवरी खुर्द, पनागर स्थित आनंद ज्योति प्रिंटिंग प्रेस के औचक निरीक्षण में धान की किस्म कनक क्रांति गोल्ड 135 और एमटीयू-1010 की अवैध एवं नकली पैकिंग करते पाया गया था। निरीक्षण में यह पाया गया कि कनक एग्रो सीड्स तेलंगाना के संचालक राजेश कुमार मौर्य और सम्यक सीड्स जबलपुर के संचालक अनिल जैन मिलकर नकली बीज की पैकिंग कर रहे थे।

अनिल जैन द्वारा असाटी वेयर हाउस मटियाकुई में अन्य अनाज को धान की किस्म एमटीयू-1010 के नाम से गलत तरीके से पैक किया जा रहा था। उप संचालक कृषि ने बताया कि इस मामले में बीज निरीक्षक पंकज शर्मा द्वारा पनागर थाने में दोनों आरोपियों राजेश कुमार मौर्य और अनिल जैन के विरुद्ध बीज अधिनियम 1966 की धारा (21), आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3, 7 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 2 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है।

श्रीमद्भागवत महापुराण के अंतर्गत महाभारत प्रसंगों का वर्णन भक्तों ने श्रवण कराया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राधाकृष्ण मंदिर जांगड़ा पोरवाल समाज में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस शुक्रवार को कथा व्यास पूज्य अमृता त्रिपाठी ने व्यासपीठ से कथा में श्रीमद्भागवत महापुराण के अंतर्गत महाभारत प्रसंगों का वर्णन भक्तों ने श्रवण कराया। आपने कथा के माध्यम से कुरुवंश की उत्पत्ति, महाराज शांतनु, भीष्म पितामह तथा हस्तिनापुर के राजवंश का दिव्य वर्णन किया , आगे चलकर पांडवों और कौरवों के जीवन की प्रमुख घटनाओं तथा धर्म और अधर्म के संघर्ष का भावपूर्ण प्रसंग भी बताया। उन्होने कहा कि पांडव अनेक कष्टों और विपत्तियों के बीच भी भगवान श्रीकृष्ण पर अटूट विश्वास बनाए रखते हैं। भगवान स्वयं अपने भक्तों की रक्षा के लिए प्रत्येक क्षण साथ रहते हैं। महाभारत का प्रसंग केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि धर्म, सत्य, त्याग और भगवान की कृपा का महान संदेश है। इस प्रसंग से यह शिक्षा प्राप्त होती है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, यदि मनुष्य धर्म और भगवान का आश्रय नहीं छोड़ता, तो अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। इसलिये कथा श्रवण से श्रद्धालुओं के भीतर भक्ति, विश्वास और धर्म के प्रति दृढ़ता जाग्रत होगी। तृतीय दिवस के पूजन आरती के लाभार्थी बंटू कुमार शांतिलाल झंडावाला परिवार थे। इस अवसर पर गीता मंडल ट्रस्ट एवं पोरवाल महिला मंडल नगर इकाई द्वारा व्यासपीठ का पूजन कर कथा व्यास दीदी का सम्मान कर शुभाशीष प्राप्त किया।

14 आदतन आरोपियों के खिलाफ राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चौदह आदतन आरोपियों के खिलाफ कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदनों के आधार पर यह कार्रवाई की है। इनमें से 6 आरोपियों को जिला बदर कर दिया गया है। इसी तरह 8 अन्य आरोपियों को सदाचार बरतने के लिये संबंधित पुलिस थाने में 50 ङ्क 50 हजार रूपए का बंध पत्र भरने के आदेश दिए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने इस आशय के पृथक-पृथक आदेश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान द्वारा आदतन आरोपी धर्मेन्द्र उर्फ धम्मू लोधी पुत्र हरी सिंह लोधी निवासी गिरवाई गांव थाना गिरवाई, दीपक परिहार पुत्र दौला उर्फ दौलत सिंह परिहार निवासी ग्राम सालबई थाना डबरा देहात, हेमंत उर्फ बंटी पुत्र नवलकिशोर भार्गव निवासी शीतला कॉलोनी बारह बीघा सिकंदर कम्पू थाना गिरवाई, गोलू उर्फ रामसिंह राजावत पुत्र गुड्डू उर्फ जंगबहादुर निवासी काली माता मंदिर के पास संजयनगर लक्ष्मीगंज लश्कर थाना जनकगंज, जितेन्द्र उर्फ गोलू जाटव पुत्र स्व. अजमेर सिंह जाटव निवासी आंगनबाड़ी के पास सिरोल थाना सिरोल एवं गौरव जाटव उर्फ खोरिया पुत्र राकेश जाटव निवासी माधौनगर गेट नं.-1 लक्ष्मीगंज थाना जनकगंज को 6 ङ्क 6 माह की अवधि के लिये जिला बदर कर दिया गया है। इन सभी आरोपियों को ग्वालियर जिला सहित समीपवर्ती भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी व दतिया जिले की सीमा से बाहर चले जाने के आदेश दिए गए हैं। इन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिन आरोपियों के खिलाफ राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 50-50 हजार रूपए के बंध पत्र भरने की कार्रवाई की गई है।

काश्यप फैक्ट्री में अप्रत्याशित हादसा, ट्रक का टायर फटने से भूसे के ढेर में भड़की आग, कंपनी के पुख्ता इंतजामों और मुस्तैदी से टला बड़ा संकट

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय बड़ी चौपाटी स्थित प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाई काश्यप स्वीटनर्स प्राइवेट लिमिटेड में शुक्रवार दोपहर को एक अप्रत्याशित और अचानक हुआ हादसा सामने आया। दोपहर करीब 2:50 बजे फैक्ट्री परिसर में भूसा खाली कर रहे एक ट्रक का पिछला टायर अचानक पूरी क्षमता के साथ ब्लास्ट हो गया। टायर फटने से निकली अत्यधिक हीट और चिंगारी की वजह से पास में ही अनलोड कर रखे भूसे के ढेर ने तुरंत आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे लगभग 20 लाख रुपये के भूसे एवं कनवियर बेल्ट सहित अन्य उपकरणों का नुकसान होने का अनुमान है।

घटना के समय अत्यधिक गर्मी और तेज हवा चलने के कारण आग बुझाने में टीम को थोड़ी परेशानी जरूर हुई, क्योंकि तेज हवाओं की वजह से लपटें बार-बार दिशा बदल रही थीं और तेजी से फैलने का प्रयास कर रही थीं। लेकिन इस प्रतिकूल मौसम और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कंपनी प्रबंधन और दमकल कर्मियों ने हार नहीं मानी और पूरी मुस्तैदी से मोर्चे पर डटे रहे।

जैसे ही इस बड़ी आगजनी की खबर नगर में फैली, नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री शेखर यादव तुरंत सक्रिय हुए और बिना कोई समय गंवाए सीधे घटनास्थल पर पहुँचे। उन्होंने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासनिक अमले तथा दमकल टीमों से समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू ऑपरेशन को गति दी। संकट के समय जनप्रतिनिधि की इस तरह धरातल पर मौजूदगी से वहां मौजूद कर्मचारियों और दमकल कर्मियों का हौसला और बढ़ गया।

आग लगने की इस अप्रत्याशित घटना में सबसे सराहनीय पक्ष कंपनी प्रबंधन और वहां के कर्मचारियों की त्वरित सजगता का रहा। जैसे ही हादसे की खबर लगी, बिना एक पल गंवाए कंपनी प्रबंधक और तकनीकी कर्मचारियों ने फैक्ट्री में स्थापित अत्याधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम और पानी के पाइपों को चालू कर तुरंत आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। इस त्वरित रिस्पांस के कारण आग को अन्य संवेदनशील हिस्सों में फैलने से रोक दिया गया।

कंपनी प्रबंधन ने घटना की जानकारी तत्काल एसडीएम, एसडीओपी और तहसीलदार को दी। प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए बदनावर और आसपास के क्षेत्रों से फायर ब्रिगेड की टीमों को रवाना किया। कुछ ही समय में नगर परिषद् बदनावर, सोया प्लांट, रतलाम, नामली, बग्गड़, पीथमपुर और बड़नगर से फायर फाइटर मौके पर पहुँच गए और संयुक्त प्रयासों से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन का सबसे मजबूत और सकारात्मक पहलू यह रहा कि काश्यप स्वीटनर्स प्रबंधन द्वारा फैक्ट्री में पानी का भारी और पुख्ता स्टोरेज बनाकर रखा गया था। इस दूरदर्शिता का बड़ा लाभ यह मिला कि बाहर से आए फायर फाइटर्स को पानी भरने के लिए फैक्ट्री परिसर से बाहर कहीं दूर नहीं भटकना पड़ा। दमकल की गाड़ियों को फैक्ट्री के अंदर से ही तुरंत रीफिल किया गया, जिससे समय की भारी बचत हुई और आग को बिना किसी बाधा के लगातार पानी की बौछारें मारकर शांत कर दिया गया।

तेज हवा और भीषण गर्मी के इस संकट काल में भी फैक्ट्री के प्रत्येक कर्मचारी ने अपनी जिम्मेदारी को समझा और बिना डरे आग बुझाने के कार्य में दमकल कर्मियों का पूरा सहयोग किया। कंपनी की इसी सजगता, बेहतर आपदा प्रबंधन, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति और सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते इतने बड़े हादसे के बाद भी फैक्ट्री में किसी भी प्रकार की कोई जनहानि या अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति विधायक श्री पण्ड्या

1 करोड से अधिक के विकास कार्यो का किया भूमि पूजन एवं लोकार्पण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विधानसभा के ग्राम पंचायत रूनिजा, माधौपूरा, नौगांवा में जनप्रिय विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के आतिथ्य में 1 करोड़ 37 लाख 1 हजार 966 की लागत से विभिन्न विकास कार्यो का भूमि पूजन एवं लोकार्पण समारोह बेंड बाजो के साथ जगह-जगह बने स्वागत मंचो से विभिन्न सामाजिक संस्थाएं ओएसिस अकेडमी, श्री गुजरात माली समाज, को आपरेटिव बैंक, मुस्लिम समाज, भोले मित्र मंडल, श्री चारभुजा मित्र मंडल, सोलंकी परिवार, पुरोहित परिवार व ग्रामीणजनो, खेल प्रेमियों ने दुपट्टा एवं पुष्प माला से स्वागत कर वेदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ग्राम पंचायत रूनिजा द्वारा विभिन्न विकास कार्यो के भूमि पूजन के साथ जनजातिय बालक आश्रम आदिम जाति कल्याण विभाग के लागत राषि 56.78 लाख से अधिक एवं शासकीय आर्युवेदिक औषधालय लागत राषि 47.58 लाख की लागत से बनने वाले प्रमुख विकास कार्यो का भी भूमि पूजन किया।

बड़नगर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या ने कहां कि ये विकास कार्य क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करेगे तथा आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। समारोह में उपस्थित ग्रामीणजनो ने विकास कार्य के लिये खुषी व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिये एतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया और पुरे आयोजन में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

भूमि पूजन एवं लोकार्पण के अवसर पर अंतरसिंह देवडा जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह राठौर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजबसिंह देवड़ा, गोविन्दसिंह धाकड़ सदस्य जनपद प्रतिनिधि, सुनील यादव सदस्य जनपद पंचायत, जगदेवसिंह राठौर (रूनिजा), जगदेवसिंह राठौर बना (नौगांवा), विजयराजसिंह राठौर मण्डल अध्यक्ष खरसोदकलां, कुन्दन डोडिया महामंत्री, सरपंच गोपाल धाकड़ बडगांवा सरपंच कोटिल्यसिंह बना, सरपंच सत्यनारायण नागर माधौपूरा, सरपंच प्रतिनिधि राजेष मैडा रूनिजा, सरपंच राजेष गुर्जर नौगांवा, गजेन्द्रसिंह राजावत, प्रहलाद धाकड़, अषोक वैष्णव वरिष्ठ समाजसेवी, राजू मिश्रा, एवं अधिकारी कर्मचारी समस्त पंचायतो के पंचगण, सचिव, सहायक सचिव एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत हुआ लोकमाता का सेवा भाव देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से आज 29 मई को मानस भवन प्रेक्षागृह, राइट टाउन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन न केवल उनके 300वें जन्मोत्सव के समापन का साक्षी बना, बल्कि 301वें वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध?यप्रदेश जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के उप संचालक अमित कुमार यादव एवं अखिल भारतीय गडरिया समाज से श्री मोती श्रीपाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। संस्कृति संचालनालय के आयुक्त मदन बिभीषण नागरगोजे ने अपने संबोधन में कहा कि देवी अहिल्याबाई का मध्यप्रदेश से जुड़ाव राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा देवी अहिल्याबाई एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ धर्म और राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने वाली महानायिका थीं। भारत के प्रमुख आध्यात्मिक नगरों में उनके द्वारा कराए गए मंदिरों के जीर्णोद्धार, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण उन्हें आज भी लोकमाता की प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

कलेक्टर न्यायालय का फैसला बिना जांच और परीक्षण किये तहसीलदार आधारताल द्वारा पारित नामांतरण के सात और आदेश निरस्त

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने न्यायालय तहसीलदार आधारताल द्वारा विधिक प्रक्रिया का पालन किये बिना अगस्त 2023 से फरवरी 2024 के दौरान सात प्रकरणों में पारित नामांतरण आदेश निरस्त कर दिये हैं। इन सातों प्रकरणों में बिना पर्याप्त परीक्षण और जांच किये अधिकारों का दुरूपयोग कर आधारताल के तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे द्वारा नामांतरण आदेश पारित कर दिये गये थे।

इन प्रकरणों में संलग्न दस्तावेज भी अपूर्ण थे, कुछ में राजस्व निरीक्षक और पटवारी के जांच प्रतिवेदन संलग्न नहीं थे तो कुछ में संलग्न जांच प्रतिवेदन में पटवारी या राजस्व निरीक्षक के हस्ताक्षर ही नहीं थे। एक प्रकरण ऐसा भी था जो अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के बावजूद तत्कालीन तहसीलदार आधारताल ने अपने न्यायालय में दर्ज कर नामांतरण आदेश पारित कर दिया। नामांतरण के सातों प्रकरण अनुविभागीय राजस्व अधिकारी आधारताल से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर न्यायालय द्वारा पुनरीक्षण में लिये गये थे। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सातों प्रकरणों में नामांतरण आदेश निरस्त करने का फैसला हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को सुनने के बाद दिया है। उन्होंने सभी प्रकरण तहसीलदार न्यायालय को वापस भेजने तथा आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ती कराकर नवीन प्रकरण दर्ज करने और पर्याप्त जांच गुण-दोष के आधार पर विधिक प्रक्रिया का पालन कर इनका निराकरण करने के निर्देश वर्तमान में पदस्थ तहसीलदार को दिये हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि इन प्रकरणों में संबधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार से अग्रिम आदेश होने तक राजस्व अभिलेख वर्तमान स्थिति में यथावत रखा जाये और यदि हिटबद्ध पक्षकार का नाम राजस्व अभलेख में दर्ज किया जा चुका है तो वह रखा जाये, क्योंकि यदि पूर्व भू -स्वामी का नाम दर्ज किया जाता है तो उसके द्वारा किसी अन्य (तृतीय पक्ष) को विक्रय संभावित होने से मामले की जटिलता बढ़ जायेगी और अन्य पक्षकारों का हित भी सृजित हो जाएगा जो उचित नहीं है। कलेक्टर द्वारा पारित आदेश में यह भी कहा गया है कि जब तक संबंधित तहसीलदार द्वारा इन प्रकरणों में अंतिम आदेश पारित नहीं कर दिया जाता खसरे के कालम नंबर 12 में हितबद्ध पक्षकार के नाम के आगे न्यायालय कलेक्टर के पुनरीक्षण में पारित आदेश के अधीन की टीप अंकित की जाये।

1. गोलबाजार, राईट टाउन निवासी विवेक गोपाल राव सोनवाने ने ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि के नामांतरण के आवेदन पर तत्कालीन तहसीलदार अधारताल हरिसिंह धुर्वे द्वारा 23 फरवरी 2024 को पारित नामांतरण का आदेश पारित किया गया था। प्रकरण में आवेदन के साथ शासन के खाते में शुल्क जमा करने चालान और तथ्यों के समर्थन में शपथ-पत्र संलग्न नहीं था। तहसीलदार द्वारा 1989 के दस्तावेजों की छायाप्रति पर आदेश कर दिया गया, जबकि सत्यापित और नोटरी प्रमाणित प्रति पेश नहीं की गई थी। जांच प्रतिवेदन में हल्का पटवारी के हस्ताक्षर ही नहीं थे। प्रकरण 2 फरवरी 2024 को प्रकरण में प्रारंभ कर 19 फरवरी 2024 को पटवारी प्रतिवेदन प्राप्त होना लिखा गया, लेकिन उसी दिन आदेश के लिए नियत कर दिया तथा बिना पर्याप्त जांच के नामांतरण आदेश पारित किया गया।

2. हर्षित नगर, यादव कालोनी, विवेकानंद वार्ड निवासी श्रीमती पंकजा चंद पति राजेश कुमार चंद एवं राजेश कुमार चंद पिता उदय प्रताप चंद तथा प्लाट नं. 26 कचनार बरसाना रोड, विजय नगर निवासी श्रीमती मंजुलता जैन पति राजेश कुमार जैन से जुड़े प्रकरण में 13 फरवरी को नामांतरण का आदेश पारित किया गया था। इस प्रकरण में वकालतनामे पर स्टाम्प नहीं था। आवेदन के साथ लगे शपथ-पत्र की मूल प्रति के स्थान पर रंगीन छायाप्रति संलग्न की गई थी। शपथ पत्र 50 रूपये के स्थान पर 10 रूपये के टिकट पर नोटराइज्ड था और शपथ व गवाह की सील भी अंकित नहीं थी। आवेदन शुल्क का ऑनलाइन चालान 11 अगस्त 2023 सुजीत खटीक के नाम से था।

प्रदेश के सभी शासकीय भवनों पर रेस्को परियोजना अंतर्गत सोलर प्लांट स्थापित किए जायेंगे - नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शासकीय भवनों की छतों पर रेस्को पद्धति अंतर्गत सोलर रूफ टॉप संयंत्र लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ शून्य निवेश से बिजली की बचत का कार्य किया जा रहा है। योजना के तहत ग्वालियर के 30 शासकीय भवनों पर सोलर रूफ टॉप संयंत्र लगाने का अनुबंध शुक्रवार को प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना के तहत एक वर्ष में प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में सोलर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिये प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक नोडल एजेंसी भी नियुक्त की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रधानमंत्री सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक संयंत्र स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है।

ग्वालियर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, विधायक ग्वालियर ग्रामीण श्री साहब सिंह गुर्जर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया, ग्वालियर मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन, ग्वालियर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, सौर ऊर्जा विभाग के एमडी श्री अमनवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत सहित विभिन्न विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारी उपस्थित थे।

ग्वालियर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, विधायक ग्वालियर ग्रामीण श्री साहब सिंह गुर्जर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया, ग्वालियर मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन, ग्वालियर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, सौर ऊर्जा विभाग के एमडी श्री अमनवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत सहित विभिन्न विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारी उपस्थित थे।

ऊर्ज विकास निगम के एमडी श्री अमनवीर सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा प्रदेश के शासकीय भवनों को रेस्को मोड में सौर उर्जीकृत करने हेतु एक जिला-एक रेस्को की तर्ज पर 55 जिलों के लिये 48 मेगावॉट क्षमता के 1300 शासकीय भवनों के लिये जिलेवार निविदा जारी की गई। निविदा में 17 विकासकों द्वारा भाग लिया गया व 13 विकासकों को सफलतापूर्वक चयनित कर 47 जिलों के लिये कार्यादेश जारी किया गया है। निविदा से न्यूनतम दर इंदौर जिले के लिये रु 3.40 प्रति यूनिट, ग्वालियर जिले के लिये 3.49 प्रति यूनिट, भोपाल जिले के लिये 3.78 प्रति यूनिट, उज्जैन जिले के लिये 3.97 प्रति यूनिट तथा अधिकतम रु 4.01 प्रति यूनिट की दर प्राप्त हुई है।

इससे पूर्व, वर्ष 2018 से 2020 के बीच म. प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा राज्य में 133 शासकीय कार्यालयों में सफलतापूर्वक RESCO पद्धति से सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाए हैं जो पिछले कई वर्षों से सफलतापूर्वक संचालित हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विगत वर्ष जून, जुलाई एवं अगस्त माह के दौरान जिले में घटित सड़क दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि उक्त अवधि में 229 दुर्घटना प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें 63 लोगों की मृत्यु तथा 280 व्यक्ति घायल हुए थे। इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने इस वर्ष में सड़क दुर्घटनाओं एवं उनसे होने वाली जनहानि में कम से कम 50 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

बैठक में जिले के चिन्हित 1 ब्लैक स्पॉट एवं 28 रेड स्पॉट पर की जा रही कार्यवाहियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित फूलमाल फाटा क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही दाहोद की ओर से आने वाले तेज गति वाले वाहनों की गति नियंत्रित करने हेतु रम्बल स्ट्रिप लगाए जाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए। उन्होंने उक्त कार्यवाही की 7 दिवस में अनिवार्य रूप से कम्प्लायंस प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्व्रद्ध) को आवश्यक यातायात संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही पेट्रोलिंग टीम की सक्रिय उपस्थिति झाबुआ क्षेत्र में भी सुनिश्चित करने को कहा, ताकि दुर्घटनाओं की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके। बैठक में पारा फाटा स्थित टी-जंक्शन को दुर्घटना संभावित क्षेत्र बताते हुए वहां गति अवरोधक निर्मित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे स्थानों पर आवश्यक तकनीकी सुधार कर दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जाए।

बैठक में चालानी कार्यवाहियों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक कुल 11 हजार 712 चालानी कार्यवाहियां की जा चुकी हैं। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 7 हजार 200, बिना सीट बेल्ट 737, बिना नम्बर प्लेट 396, नो पार्किंग 240 तथा ओवरलोडिंग के 307 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने बिना नम्बर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए ऐसे वाहनों को राजसात करने के निर्देश दिए। साथ ही ओवरलोडिंग रोकने हेतु बस ऑपरेटरों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने को कहा।

बैठक में नगर पालिका राणापुर द्वारा बस स्टैण्ड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने हेतु चलाए गए अभियान की सराहना की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि उक्त क्षेत्र को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी एवं ड्यूटी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही झाबुआ बस स्टैण्ड क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रधानमंत्री कैशलेस उपचार योजना की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ञ्जस्र्ल्ब एवं द्र-ष्ठ्रक्र के माध्यम से सड़क दुर्घटना प्रकरणों की कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने तथा अस्पतालों के माध्यम से उपचार संबंधी क्लेम समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना के गोल्डन ऑवर के दौरान किसी भी घायल व्यक्ति को उपचार देने से कोई भी अस्पताल इंकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद प्रारंभिक एक घंटा अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और इस अवधि में समय पर उपचार उपलब्ध कराकर अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है।

बैठक में संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा जनजागरूकता गतिविधियों को लगातार संचालित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नहाल्दा व कोटवाड़ा में 121 टीबी मरीजों की एक्स-रे जांच की गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सघन टीबी उन्मूलन अभियान के तहत शुक्रवार को खण्डवा विकासखण्ड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर नहाल्दा व कोटवाड़ा में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से नहाल्दा में 59 तथा कोटवाड़ा में 62 संभावित मरीजों की एक्स-रे जांच की गई। टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शक्ति सिंह राठौड़ ने बताया कि हैंडहेल्ड एक्स-रे से जांच के साथ-साथ सभी मरीजों के स्पुटम सैंपल भी लिए गए। जांच रिपोर्ट आने के बाद पॉजिटिव मरीजों का तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। शिविर के दौरान स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जागरूक किया। टीम ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी, अचानक वजन घटना, लगातार बुखार व कमजोरी टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। टीबी का पूरा इलाज संभव है और सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है।

सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनभागीदारी का सफल मॉडल

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले में जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं जन-जागरूकता से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। विभिन्न विभागों द्वारा अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए तय लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अनेक गतिविधियों में शत-प्रतिशत एवं लक्ष्य से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। अभियान के तहत जिले में चेक डैम निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, पौधरोपण, पाइपलाइन सुधार, प्याऊ स्थापना तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए गए हैं। साथ ही जल चौपाल, जागरूकता रैली, वृक्ष पूजन, जल स्त्रोत पूजन एवं विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया। जिले में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में किए जा रहे इन कार्यों से न केवल जल स्त्रोतों का संवर्धन हो रहा है, बल्कि आमजन में पानी बचाने एवं जल संरचनाओं के संरक्षण के प्रति सकारात्मक जागरूकता भी बढ़ रही है। अभियान के तहत जिले में 2555 चेक डैम निर्माण, 10 तालाब निर्माण, 17 सौसर निर्माण, 4 तालाब गहरीकरण तथा 24,130 मीटर कंटूर ट्रेंच कार्य लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण किए गए हैं। इसके साथ ही 72 पोषण वाटिकाएं एवं 72 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य भी पूर्ण किए गए। स्कूलों में 1553 तथा आंगनवाड़ियों में 829 जल गुणवत्ता परीक्षण कार्य शत-प्रतिशत पूरे किए गए। वहीं 54 पंप ऑपरेटरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जल ग्रहण संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने के लक्ष्य के विरुद्ध 64 कार्य पूर्ण किए गए, जो निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक हैं। अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों में महत्वपूर्ण स्थानों पर 52 प्याऊ स्थापित किए गए तथा अमृत योजना अंतर्गत 900 के लक्ष्य के विरुद्ध 3286 हाउस होल्ड कनेक्शन प्रदान किए गए।

डीजल की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था पर कड़ी निगरानी के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री एवं आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर द्वारा हाई स्पीड डीजल की बिक्री में असामान्य वृद्धि की स्थिति को देखते हुए जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार भारत सरकार एवं ऑयल कंपनियों द्वारा अवगत कराया गया है कि कुछ बल्क उपभोक्ता सीधे ऑयल कंपनियों से डीजल प्राप्त करने के बजाय रिटेल पेट्रोल पंपों से डीजल उठाव कर रहे हैं, जो निर्धारित नियमों के विपरीत है। इस संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों तथा सेल्स ऑफिसर्स को सतर्कता बरतने एवं निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देशित किया है कि डीजल का वितरण प्लास्टिक के डिब्बों में नहीं किया जाए तथा पेट्रोल पंपों पर भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो। साथ ही जमाखोरी एवं कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा है कि सभी आवश्यक कार्रवाई कर उसकी जानकारी नियमित रूप से प्रेषित करें, ताकि जिले में डीजल की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखी जा सके।

झाबुआ जिले में आयोजित जनसुनवाई में तथ्यों को छुपाकर गलत जानकारी प्रस्तुत करने के संबंध में कलेक्टर ने जारी किए दिशा-निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनसुनवाई शासन की एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य आमजन की वास्तविक समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर असत्य, भ्रामक अथवा निराधार शिकायत प्रस्तुत कर शासन की छवि धूमिल करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जारी किए गए हैं।

हाल ही में जनसुनवाई के दौरान ग्राम उमरकोट निवासी श्री बद्रीनारायण मारवाड़ी द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई थी कि उनकी पत्नी रमीला का निधन हुए एक वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो चुका है, किंतु अब तक उनका मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया है। संबंधित व्यक्ति द्वारा इस संबंध में मीडिया को भी गलत जानकारी दी गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ से तत्काल विस्तृत जांच कराई गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप पूर्णतः निराधार एवं भ्रामक थे। संबंधित विभागीय अभिलेखों के परीक्षण में पाया गया कि मृतका रमीला का मृत्यु प्रमाण-पत्र सरदारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा पूर्व में ही विधिवत जारी किया जा चुका था। पत्नी की मृत्यु अस्पताल में होने के बावजूद मृत्यु घर पर होना बताते हुए शासन के प्रति गलत एवं भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करना जनसुनवाई की गरिमा के प्रतिकूल है।

इस प्रकार का व्यवहार जनसुनवाई की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। जनसुनवाई आमजन की वास्तविक समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसमें झूठे तथ्यों को प्रस्तुत कर केवल प्रसिद्धि प्राप्त करने के उद्देश्य से किए जाने वाले कृत्य शासन की छवि धूमिल करते हैं। इसी प्रकार, थांदला में आयोजित जनसुनवाई 26 मई 2026 में संस्था आजाद विकलांग कल्याण समिति द्वारा श्री बादरसिंह मुनिया, निवासी ग्राम पंचायत मदरानी, जनपद पंचायत मेघनगर के संबंध में शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि संबंधित हितग्राही की समग्र आईडी मृत दर्ज होने के कारण उन्हें शासन की योजनाओं एवं पेंशन का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है।

इस प्रकरण को भी कलेक्टर द्वारा गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई गई। सीईओ जिला पंचायत द्वारा गठित समिति की जांच में पाया गया कि आधार ई-केवाईसी लंबित होने के कारण संबंधित हितग्राही की पेंशन राशि अस्थायी रूप से होल्ड की गई थी, जिसे नियमानुसार निराकृत कर दिया गया है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि संबंधित हितग्राही की वास्तविक एवं सक्रिय समग्र आईडी वर्तमान में सक्रिय है। संबंधित हितग्राही को पूर्व में जुलाई 2025 तक पेंशन का भुगतान किया गया था तथा 14 मई 2026 से पुनः पेंशन स्वीकृत कर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना अंतर्गत नियमित रूप से लाभ प्रदान किया जा रहा है।

विभागीय जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि शिकायत में उल्लिखित समग्र आईडी डुप्लीकेट समग्र आईडी थी। हितग्राही की दो समग्र आईडी होने तथा अतिरिक्त आईडी कैसे बनी एवं मृत दर्ज कैसे हुई, इस संबंध में जनपद पंचायत मेघनगर स्तर पर जांच प्रचलित है। संस्था आजाद विकलांग कल्याण समिति द्वारा पत्र 29 मई 2026 के माध्यम से विभाग को अवगत कराया गया है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा संस्था को डुप्लीकेट आईडी की जानकारी ही दी गई थी, जिससे भ्रम की स्थिति निर्मित हुई। इसके बावजूद शिकायतकर्ता द्वारा शासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए दो वर्षों से मृत घोषित होने संबंधी अधूरी एवं भ्रामक जानकारी मीडिया के समक्ष प्रस्तुत की गई।

उपरोक्त दोनों मामलों में जांच उपरांत प्रशासन द्वारा तथ्यों को स्पष्ट किया गया है। भविष्य में इस प्रकार के झूठे एवं भ्रामक तथ्य प्रस्तुत कर शासन की छवि धूमिल करने वालों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश प्रशासन द्वारा दिए गए हैं। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि जनसुनवाई आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं उनके हितों की रक्षा हेतु शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है।

श्रम प्रहरी बनकर अपंजीकृत संस्थानों की जानकारी दें, और श्रमिक कल्याण में करें योगदान

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कारखाना अधिनियम-1948 यह प्रावधानित करता है कि ऐसा कोई भी परिसर, जहां 20 या अधिक श्रमिक विद्युत शक्ति के साथ अथवा बिना विद्युत शक्ति के विनिर्माण कार्य में नियोजित हैं, उस संस्थान को मुख्य कारखाना निरीक्षक से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके साथ ही, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा-शर्त विनियमन) अधिनियम-1996 के तहत नियोजक का यह दायित्व है कि वह किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से श्रम विभाग को उपलब्ध कराए। संस्थानों का पंजीकरण न कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का भी कड़ा प्रावधान है, जिसके तहत कारखानों के मामले में अधिकतम 1 लाख रुपये का जुर्माना अथवा 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों सजाएं दी जा सकती हैं। इसी प्रकार, निर्माण स्थलों का पंजीकरण नहीं कराए जाने पर 2 हजार रुपये का जुर्माना अथवा 3 माह तक का कारावास या दोनों की कार्रवाई की जा सकती है। विभाग ने सभी नियोजकों को सचेत किया है कि वे किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए अपनी संस्था एवं निर्माण कार्य का पंजीकरण तत्काल सुनिश्चित करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में खनिज टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनिज टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि विगत वर्ष अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 124 प्रकरण दर्ज किए गए थे, जिनमें से 122 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इन प्रकरणों के माध्यम से शासन को 2.35 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व की वसूली हुई है।

बैठक में यह भी बताया गया कि वर्तमान वर्ष में अब तक अवैध खनिज गतिविधियों से संबंधित 15 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 10 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध निरंतर एवं प्रभावी कार्यवाही जारी रखी जाए। उन्होंने बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

साथ ही राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित कार्यवाही करने पर बल दिया, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में सुचारू पेयजल आपूर्ति और पारदर्शी खाद वितरण के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार कलेक्ट्रेट सभागृह में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सहकारिता, कृषि, मार्कफेड, राजस्व और नगरीय निकायों के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने खाद वितरण, पेयजल आपूर्ति, जल गंगा संवर्धन अभियान और जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कृषि और मार्कफीड विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लक्ष्य के अनुसार खाद का सुचारू वितरण सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी प्राइवेट डीलर के पास खाद उपलब्ध नहीं है, तो वहां पहुंचने वाले किसानों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ऐसे किसानों का तुरंत ई-टोकन जनरेट किया जाए। ई-टोकन जनरेट कर किसानों को मार्कफेड के संबंधित डबल लॉक केंद्रों पर डायवर्ट किया जाएगा, ताकि उन्हें समय पर खाद मिल सके। ग्रीष्मकाल में सुचारू पेयजल आपूर्ति को लेकर कलेक्टर ने जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ और जनपद सीईओ से सीधे चर्चा कर कहा कि पेयजल आपूर्ति एक सतत प्रक्रिया है इसमें व्यवधान बर्दाश्त नहीं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सहकारिता एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न मछली पालन को आय का सशक्त स्रोत बनाने पर जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में शुक्रवार को सहकारिता विभाग एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मत्स्य पालन को जिले में रोजगार एवं आय के प्रभावी स्रोत के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में मत्स्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि गत वर्ष निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 230 लाख स्पान एवं 54.52 लाख स्टैण्डर्ड फ्राय का उत्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त 420.17 लाख मत्स्य बीज संचयन तथा 9035.4 टन मत्स्य उत्पादन किया गया। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत 801 प्रकरणों तथा 100 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जिले में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं और इसे ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मत्स्य पालन आधारित रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से पंगेशियस मछली पालन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रजाति का पालन वर्ष में दो बार आसानी से किया जा सकता है, जिससे मत्स्य पालकों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, वित्तीय सहयोग एवं विपणन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना एवं धरती आबा योजना अंतर्गत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई।

इसके अतिरिक्त सहकारिता विभाग अंतर्गत पैक्स समितियों के संचालन, अंकेक्षण कार्यों की प्रगति, ऋण वितरण एवं वसूली की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर खाद, बीज एवं आवश्यक कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने लंबित अंकेक्षण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा ऋण वसूली की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश भी दिए।

राष्ट्रीय पंजा कुश्ती में भाग लेने जिले के तीन खिलाड़ी गांधीनगर गुजरात के लिए रवाना

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिला पंजा कुश्ती संघ के तत्वाधान में विगत माह में जिले से भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में भाग ले कर तीन खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता के लिए हुआ। जिसमें ऋग्वेद धारसे 50 किलोग्राम वजन, जूनियर वर्ग पहली बार एवं यश डुडवे 85 किलोग्राम वजन, सीनियर वर्ग दूसरी बार राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे वही मनोज पटेल 85 किलोग्राम वजन दिव्यांग वर्ग में 2016 से निरन्तर अपने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अब तक राष्ट्रीय स्तरीय पंजा कुश्ती में 02 गोल्ड, 08 सिल्वर एवं 03 ब्रांच मेडल जीत सहित दो बार विदेश रोमानिया व दुबई में क्रमशः 8 वा व 5 वा स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

सहायक आयुक्त ने ग्रीष्मकालीन छात्रावासों में समर कैम्प गतिविधियों का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन एवं सक्षम जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रवि प्रताप सिंह तोमर द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती ग्रीष्मकालीन बारहमासी शासकीय कन्या आश्रम (अंग्रेजी माध्यम) कालीदेवी, रामा तथा वीरांगना रानी दुर्गावती संयुक्त सीनियर कन्या छात्रावास माधोपुरा, झाबुआ का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत छात्रावासों में संचालित समर कैम्प गतिविधियों का अवलोकन किया गया। समर कैम्प में वार्डन एवं स्टाफ के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न रचनात्मक, शैक्षणिक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। सहायक आयुक्त द्वारा छात्राओं से संवाद कर उनके अनुभव, सीख एवं समर कैम्प के प्रति उत्साह की जानकारी प्राप्त की गई।

आज आयोजित विशेष गतिविधि हमारा अखबार–गांव की आवाज के अंतर्गत छात्राओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित अखबार का अवलोकन करते हुए सहायक आयुक्त ने उनकी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं सामाजिक समझ की सराहना की। साथ ही छात्राओं द्वारा लिखित समर कैम्प अनुभवों की मेरी सीख का खजाना कॉपी का भी निरीक्षण किया गया।

सहायक आयुक्त श्रीमती बिसेन ने विद्यार्थियों को समर कैम्प की गतिविधियों में नियमित एवं सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा वार्डन एवं संबंधित स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने समर कैम्प के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक सुझाव देते हुए लेखन कौशल, रचनात्मक गतिविधियों एवं सीखने की प्रक्रिया को और अधिक उन्नत बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया, जिसकी सहायक आयुक्त द्वारा सराहना की गई।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

लंदन से मां सरस्वती की प्रतिमा लाकर भोजशाला में स्थापित करे सरकार

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष बोले- भोजशाला भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आस्था का जीवंत केंद्र- संतों ने किया पूजन-अर्चन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा भोज की ऐतिहासिक नगरी धार स्थित भोजशाला रविवार को धार्मिक आस्था और सनातन चेतना का केंद्र बन गई, जब अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने यहां पहुंचकर मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उनके साथ उज्जैन से पहुंचे कई संत मौजूद रहे।

इस दौरान महंत रवींद्र पुरी महाराज ने सबसे बड़ी मांग उठाते हुए कहा कि अंग्रेजों के समय भोजशाला से ले जाई गई मां सरस्वती की प्राचीन प्रतिमा वर्तमान में लंदन में रखी हुई बताई जाती है। केंद्र और राज्य सरकार को पहल कर उस प्रतिमा को वापस भारत लाना चाहिए और भोजशाला में पुनः स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की भावनाएं इस मांग से जुड़ी हुई हैं। रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि भोजशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और आस्था का जीवंत प्रतीक है। राजा भोज के समय यह स्थान विद्या, साहित्य और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता था, जहां मां सरस्वती की आराधना होती थी। यहां की हर शिला भारतीय इतिहास और सनातन चेतना की कहानी कहती है। उन्होंने कहा कि भोजशाला की पवित्रता और ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संत समाज की भावना इस स्थल से गहराई से जुड़ी हुई है। भोजशाला की स्थापत्य कला, प्राचीन स्तंभ, नक्काशी और ऐतिहासिक संरचना आज भी लोगों को आकर्षित करती है। यही वजह है कि यहां देशभर से श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी पहुंच रहे हैं। उज्जैन से पहुंचे संतों ने भी धर्म और संस्कृति संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर महेंद्र सहदेवानंद गिरि , महंत सुरेश्वरानंदपुरी , अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता गोविंद सोलंकी, समन्वयक डॉ. राहुल कटारिया, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चाकू मारकर दो लोगों ने की डिलीवरी बॉय की हत्या

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फूड डिलीवरी बॉय की दो युवको ने मामूली विवाद में चाकू मारकर हत्या कर दी। चाकू बाजी के बाद पुलिस ने रात में दोनों आरोपी युवकों को राउंडअप कर लिया है। जिनसे चाकू बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिरला ग्राम थाना क्षेत्र के विद्यानगर में रहने वाला मोनू पिता सुनील खैरवार 25 साल स्विगी कंपनी में फुड डिलीवरी बॉय का काम करता था। दोपहर में वह विद्या नगर स्थित ई-कार्ट ऑफिस के पास पहुंचा था। जहां बाइक खड़ी करने की बात को लेकर उसका विवाद रितेश बोरासी और निर्मलसिंह उर्फ बिट्टू राजपुत निवासी विद्यानगर बिरलाग्राम से हो गया। गाली गलौज होने पर रितेश और निर्मल ने चाकू से मोनू पर हमला कर दिया। गंभीर घायल होने पर मोनू को समीप के अस्पताल ले जाया गया जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने रतलाम रेफर किया।

लेकिन रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही मोनू की मौत हो गई। चाकूबाजी में डिलीवरी बॉय की मौत होने का मामला सामने आते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और मृतक की ओर से पिंटू गरासिया की शिकायत पर चाकू मारने वाले दोनों युवकों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया। बताया जा रहा है कि रात में पुलिस ने दोनों आरोपियों को राउंडअप कर लिया है जिनसे पूछताछ कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो का फुटेज भी सामने आया है। जिसमें विवाद और चाकू बाजी होती दिखाई दे रही है।

नलियाबाखल हत्या के आरोपियों को भेजा जेल- नलिया बाखल में मंगलवार-बुधवार रात हुई मोहित पिता प्रेमनारायण 18 वर्ष की हत्या के मामले में महाकाल पुलिस ने नलियाबाखल के रहने वाले एकलव्य शर्मा और उसके नाबालिग साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार शाम मामले का खुलासा किया गया। पुरानी रंजिश के चलते हुई हत्या में शामिल रहे तीनों आरोपियों से चाकू बरामद किया गया है। शुक्रवार दोपहर तीनों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से एकलव्य को जेल और दोनों नाबालिगों को बाल संप्रेषण गृह भेजा गया।

ट्रेन में आभूषणों से भरा पर्स छीनकर भागा बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन करने आ रहे परिवार के साथ ट्रेन में बड़ी वारदात हो गई। बदमाश महिला के हाथ से आभूषण से भरा पर्स छीनकर भाग निकला। मामला जीआरपी के पास पहुंचा तो जांच के लिये भोपाल जीआरपी को भेजा गया। अमरावती का रहने वाला परिवार यशवंतपुरा-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस में सवार होकर महाकाल दर्शन करने उज्जैन आ रहा था। बुधवार-गुरूवार रात ट्रेन के सिहोर स्टेशन पहुंचने के दौरान रफ्तार कम हुई। उसी दौरान कोच एस-4 में अचानक एक बदमाश आया और परिवार की महिला आशा के हाथ से पर्स छीनकर वापस ट्रेन से कूदकर भाग निकला। परिवार ने शोर मचाया लेकिन बदमाश भाग निकला था। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर परिवार ने मामले की शिकायत जीआरपी थाने पहुंचकर दर्ज कराई। पर्स में सोने की चार अंगूठी, चेन, कान के टॉप्स, मंगलसूत्र और 31 हजार रूपये नगद रखे थे। जीआरपी ने मामले में जीरो पर कायमी करते हुए जांच भोपाल जीआरपी को भेज दी। बताया जा रहा है कि आभूषण और नगदी की कुल कीमत 4 लाख से अधिक है।

कालिदास अकादमी में चल रहे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास संस्कृत अकादमी, द्वारा 15 से 25 मई, तक 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कलारूचि प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में शास्त्रीय नृत्य कथक, सुगम संगीत, लोकसंगीत, लोकनृत्य, नाटक, कैलीग्राफी का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस शिविर में कुल 162 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने बताया कि शिविर का समापन गत दिवस को सायं 5 बजे अभिरंग नाट्यगृह में किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री योगेश भार्गव, सनदि लेखाकार थे। अध्यक्ष के रूप में श्री श्रीपाद जोशी, वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अखिल भारतीय सह कोषाध्यक्ष, संस्कार भारती तथा पद्मश्री पं. ओमप्रकाश शर्मा, वरिष्ठ माच गुरु की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

फ्रीगंज ओवरब्रिज के अगले चरण का काम ग्रांड होटल के सामने से शुरू होगा

बैरिकेट्स लगाकर जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य, प्रशासन की रहेगी नजर

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में निर्माणाधीन ब्रिज और ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का गुरुवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने निरीक्षण किया। इस दौरान बताया गया कि फ्रीगंज आर ओ बी के दूसरे चरण का काम जल्द शुरू होगा।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने अलग-अलग साइट पर पहुंचकर काम की प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी जानकारी ली। इस दौरान चामुंडा माता चौराहा से फ्रीगंज की ओर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को बताया गया कि अब ग्रांड होटल के सामने से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग और चद्दर लगाकर काम शुरू किया जाए, ताकि यातायात प्रभावित न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही काम में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

टू-लेन आरओबी की गुणवत्ता जांचने के निर्देश- उज्जैन-मक्सी मार्ग पर पुराने समपार क्रमांक-2 के समानांतर बन रहे टू-लेन रेलवे ओवरब्रिज का भी निरीक्षण किया गया। आईटीआई के सामने बन रहे इस ब्रिज पर निर्माण कार्य जारी मिला। संभागायुक्त ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए नियमित लैब टेस्ट कराने के निर्देश दिए।

पंचक्रोशी मार्ग पर आरओबी में बढ़ेगी मशीनरी- उज्जैन-लालपुर-मक्सी मार्ग स्थित समपार क्रमांक-7 पर बन रहे अतिरिक्त आरओबी का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने पाइल निर्माण की जानकारी ली। संभागायुक्त ने अतिरिक्त मशीनरी लगाकर काम की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं और संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर लगातार मॉनिटरिंग करें।

गोवर्धन सागर में घुला सीवरेज का पानी... ऑक्सीजन की कमी से मरीं मछलियां

बदबू से रहवासी परेशान, जांच के लिए मौके पर पहुंचे नगर निगम अपर आयुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सप्तसागर में शामिल गोवर्धन सागर एक बार फिर प्रदूषण की चपेट में आ गया है। लगातार सीवरेज का गंदा पानी मिलने से तालाब में ऑक्सीजन की कमी हो गई, जिसके चलते गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में मछलियां मृत मिलीं। मछलियों के मरने से पूरे क्षेत्र में तेज बदबू फैल गई और आसपास रहने वाले लोग परेशान हो उठे।

सुबह मामले की सूचना मिलते ही नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने गोवर्धन सागर का निरीक्षण किया और कहा कि कहां-कहां से गंदा पानी तालाब में मिल रहा है, इसकी जांच कराई जाएगी। साथ ही जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट और आसपास की बस्तियों का सीवरेज वर्षों से सीधे गोवर्धन सागर में छोड़ा जा रहा है। यहां पानी निकासी के लिए कोई बड़ा नाला या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण पूरा गंदा पानी तालाब में पहुंच रहा है। इसी कारण तालाब का पानी लगातार प्रदूषित होता जा रहा है।

नगरकोट क्षेत्र निवासी मंजीत सिंह ने बताया कि मछलियों के मरने के बाद इतनी बदबू फैल गई है कि घर के बाहर खड़ा रहना मुश्किल हो रहा है। लोगों को संक्रमण फैलने का भी डर सताने लगा है।उल्लेखनीय है कि गोवर्धन सागर को लेकर एनजीटी में मामला भी चल रहा है। विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट संगठन और अन्य पक्षों के बीच तालाब क्षेत्र की नपती और अतिक्रमण को लेकर विवाद बना हुआ है। बताया जा रहा है कि तालाब के कुछ हिस्से पर दुकानों का निर्माण भी किया गया है। मार्केट में कई परिवार भी निवास करते हैं, लेकिन यहां सीवरेज निकासी की समुचित व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी। एक ओर सरकार गोवर्धन सागर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर लगातार गंदा पानी मिलने से तालाब की स्थिति बिगड़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की है।

11 मंदिरों का पुनरुद्धार 1100 करोड़ रुपए में किया जाएगा जिसमें से 200 करोड़ रुपए के टेंपल बांड जारी किए जाएंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता और कलेक्टर उज्जैन श्री रौशन कुमार सिंह की भौतिक उपस्थिति और कलेक्टर आगर - मालवा सुश्री प्रीति यादव की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थिति में श्री कालभैरव मंदिर, श्री मंगलनाथ मंदिर, श्री सांदीपनि आश्रम, नवग्रह मंदिर ,84 महादेव मंदिर, श्री अंगारेश्वर महादेव मंदिर, मां भूखी माता मंदिर, मां गढ़कालिका मंदिर, श्री सिद्धवट मंदिर, मां बगलामुखी माता मंदिर , आगर-मालवा और अन्य मंदिरों के लिएटेंपल बॉन्ड जारी करने संबंधी आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए गए कि टेंपल बॉन्ड इश्यू करने की प्रक्रिया 15 जुलाई तक पूरी करें जिससे 31 जुलाई तक टेंपल बॉन्ड लॉन्च किए जा सकेंगे। प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

बैठक में जानकारी दी गई कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 11 मंदिरों के सुव्यवस्थित संचालन और जीर्णोद्धार के लिए 1100 करोड़ रुपए की राशि से किया जाएगा। 1100 करोड़ में से 200 करोड़ रुपये के टेंपल बॉन्ड, 275 करोड़ रुपए अर्बन चैलेंज फंड और 625 करोड़ रुपए बैंकों के माध्यम से प्राप्त होंगे। टेम्पल बॉन्ड 10 वर्ष के लिए इश्यू किए जाएगें।

हरसिद्धि रेस्टोरेंट के किचन में मिली गंदगी, पनीर-जलेबी समेत चार नमूने लिए

सुरेश उपहार में अमानक घी मिलने पर खाद्य विभाग ने कार्रवाई की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सेहत से खिलवाड़ करने वाले रेस्टोरेंट्स पर खाद्य विभाग ने शुक्रवार को सख्त कार्रवाई की। संभागीय खाद्य विभाग की टीम ने हरसिद्धि माता मंदिर के पास संचालित हरसिद्धि रेस्टोरेंट और सुरेश उपहार गृह एवं रेस्टोरेंट पर जांच की। जांच के दौरान हरसिद्धि रेस्टोरेंट के किचन में गंदगी और कई अनियमितताएं मिलने पर विभाग ने पनीर, जलेबी, दही और लस्सी के नमूने लिए। वहीं सुरेश उपहार गृह में रोटी पर लगाए जा रहे घी की जांच में अमानक डालडा पाए जाने पर सैंपल लेकर कार्रवाई की गई।

खाद्य विभाग की टीम शुक्रवार दोपहर मंदिर क्षेत्र में पहुंची और दोनों प्रतिष्ठानों की जांच शुरू की। हरसिद्धि रेस्टोरेंट के किचन में साफ-सफाई की खराब स्थिति देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। टीम ने खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर उन्हें जांच के लिए भोपाल लैब भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

वहीं सुरेश उपहार गृह एवं रेस्टोरेंट में ग्राहकों को परोसे जा रहे भोजन में इस्तेमाल हो रहे घी की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में घी अमानक स्तर का मिलने पर विभाग ने उसके नमूने जब्त किए और संचालक को नोटिस जारी किया। कार्रवाई के दौरान संभागीय खाद्य विभाग की टीम में बसंत शर्मा, बीएस जामोद, प्रदीप लकड़े, बीएस देवलिया और सरेंडर सिंह मौजूद रहे। खाद्य अधिकारी बसंत शर्मा ने बताया कि महाकाल मंदिर क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु भोजन करने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। अनियमितता मिलने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तर के साथ तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम स्थापित किए जायेंगे

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा की उपस्थिति में आगामी मानसून एवं संभावित बाढ़ के संबंध में बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वर्षा काल में किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, राहत एवं बचाव दलों की तत्परता, नदी के जल स्तर की मॉनिटरिंग,जर्जर भवनों का चिन्हांकन, कंट्रोल रूम संचालन, नाव एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और आवश्यक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला स्तरीय बाढ़ बचाव कंट्रोल रूम 15 जून से संचालित करने और आपदा के समय त्वरित रिस्पॉन्स के लिए तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग को स्नेक बाइट और अन्य आवश्यक दवाइयां, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जलभराव संभावित क्षेत्रों, नदी-नालों की स्थिति, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं तथा संचार व्यवस्था की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को जिले के सभी पुल ,पुलिया, रपटों को निरीक्षण कर आवश्यक संकेतक और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुल, पुलिया और रपटों पर बारिश का पानी होने पर आवश्यक बैरिकेडिंग कर आवाजाही बंद करना सुनिश्चित किया जाए।

फर्जी बैंक ग्यारंटी देकर ठगे 1.42 करोड़, केस दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो साल पहले बनाई गई बैंक ग्यारंटी के नाम पर हुई 1.42 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले मे पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दोनों की तलाश में एक टीम इंदौर भेजी गई है।

नागझिरी थाना क्षेत्र के सांई विहार कालोनी में रहने वाले रामस्वरूप पिता लहरी प्रजापति उद्योगपुरी क्षेत्र स्थित बोकेम हेल्थ केयर प्रा.लि. के प्लांट हेड हैं जिन्होंने नागझिरी थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि उन्होंने मार्च 2023 में बैंक अधिकारी बनकर मिले दो व्यक्तियों से बैंक ग्यारंटी बनवाई थी। दोनों इंदौर के रहने वाले जितेन्द्र वर्मा और अनिकेत संतोषी थे। उन्होंने बैंक ग्यारंटी के नाम पर अलग अलग समय में 1.42 करोड़ रुपए ले लिए। और व्हाट्स एप पर बैंक ग्यारंटी भेजी थी जिसे देख विश्वास हो गया था। बैंक में ग्यारंटी लगाने पर सामने आया कि ग्यारंटी फर्जी है। दोनों से संपर्क करने पर उन्होंने आनाकानी शुरू कर दी। नागझिरी थाना एसआई रामप्रसाद वैद्य ने बताया कि बोकेम हेल्थ केयर प्लांट हेड की शिकायत पर दोनों के खिलाफ धारा 420, 34 का प्रकरण दर्ज किया गया है। जल्द ही दोनों की गिरफ्तारी की जाएगी।

जमीन के रुपए हड़पकर हत्या की धमकी देने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रजिस्ट्री नहीं कराने और हत्या का भय दिखाकर रूपये हड़पने वाले बदमाश को गुरूवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। बदमाश पूर्व में भी कई लोगों के रूपये हड़प चुका था।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि 27 अप्रैल को संत तुकाराम पथ के रहने वाले हितेश पिता नंदकिशोर सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह सुबह मार्निंग वॉक पर निकला था। आमलारोड शासकीय कॉलेज के आगे उसे मनोज पिता नारायण चावड़ा निवासी ग्राम अमला मिला। जिससे उसकी मां द्वारा जमीन खरीदी थी। मनोज द्वारा काफी समय से रजिस्ट्री नहीं कराई जा रही थी। उसके मिलने पर रजिस्ट्री कराने की बात कहीं गई तो उसने गाली-गलौच करते हुए कहा कि रजिस्ट्री नहीं कराऊंगा और जो रूपये लिये है, वह भी वापस नहीं करूंगा।

मैं यहां का दादा हूं, मेरा नाम चलता है, आज के बाद रजिस्ट्री कराने की बात कहीं तो जान से मारने दूंगा। हितेश सोनी की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 (5) का प्रकरण दर्ज किया गया और हत्या का भय दिखाने वाले की तलाश शुरू की गई। आरोपी मनोज चावड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी जमीन हड़पकर रूपये नहीं लौटाने के 3 से 4 शिकायती आवेदन प्राप्त हो चुके है। जिनकी जांच जारी है, उक्त मामलों में भी आरोपी के खिलाफ जांच पूरी होते ही प्रकरण दर्ज किया जायेगा।

महाकाल मंदिर में 'रिंग सेरेमनी' का वीडियो वायरल

गणेश मंडपम में एक-दूसरे को अंगूठी पहनाकर की सगाई-पुजारी और सहयोगियों की भूमिका जांच के घेरे में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में एक युवक-युवती द्वारा सगाई की रस्म निभाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रतिबंध के बावजूद मंदिर परिसर में बनाया गया यह वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच गया और अब पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है।

दिल्ली निवासी युवक पुलकित मल्होत्रा और युवती गिन्नी खंडूजा ने मंदिर परिसर में भगवान महाकाल के दर्शन के दौरान एक-दूसरे को अंगूठी पहनाकर सगाई की रस्म निभाई। दोनों का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया, जिसमें लिखा था...जब महाकाल राजी तो क्या करेगा काजी। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों विशेष और प्रोटोकॉल वाले रास्ते से मंदिर में प्रवेश करते हैं। इसके बाद नंदी हॉल के पास पहले बैरिकेड और गणेश मंडपम क्षेत्र में पहुंचकर युवक युवती को अंगूठी पहनाता है, फिर युवती भी युवक को अंगूठी पहनाकर सगाई पूरी करती नजर आती है। इस दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग भी लगातार होती रही, लेकिन किसी सुरक्षाकर्मी या कर्मचारी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

24 घंटे में 8 लाख पसंद, फिर मचा हड़कंप - सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड होते ही यह तेजी से वायरल हो गया। महज 24 घंटे के भीतर वीडियो को 8 लाख से ज्यादा पसंद मिले। मामला बढ़ता देख मंदिर समिति में हड़कंप मच गया।

महाकाल मंदिर समिति के सहायक प्रशासक आशीष फलवड़िया ने तत्काल संज्ञान लेते हुए वीडियो हटवाने की कार्रवाई कराई। साथ ही यह भी पता लगाया गया कि युवक-युवती को मंदिर में प्रवेश किसके माध्यम से मिला था।

पुजारी के जरिए मिली एंट्री, सहयोगियों पर भी कार्रवाई की तैयारी- प्राथमिक जांच में सामने आया कि दोनों को मंदिर में प्रवेश एक पुजारी के माध्यम से दिलाया गया था। वीडियो बनाने में भी किसी सहयोगी की भूमिका सामने आ रही है। मंदिर की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक वीडियो बनाने वालों, प्रवेश व्यवस्था कराने वालों और संबंधित सहयोगियों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। वहीं युवक-युवती के भविष्य में मंदिर प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पर भी विचार किया जा रहा है।

सुरक्षा और प्रोटोकॉल व्यवस्था पर बड़े सवाल- घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहा है। मंदिर में मोबाइल और वीडियो रिकॉर्डिंग पर स्पष्ट प्रतिबंध है, इसके बावजूद युवक-युवती न केवल वीडियो बनाते रहे, बल्कि आराम से सगाई की रस्म भी निभाते रहे। इतना ही नहीं, वीडियो में दोनों विशेष प्रवेश द्वार से अंदर जाते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि क्या उन्हें आधिकारिक प्रोटोकॉल अनुमति मिली थी या फिर किसी जुगाड़ के जरिए विशेष प्रवेश दिलाया गया।

पहले भी बन चुकी हैं रील्स, अब सख्ती की मांग- महाकाल मंदिर में रील और सोशल मीडिया वीडियो बनाने के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार मंदिर परिसर में सगाई की रस्म निभाने का मामला सामने आने के बाद श्रद्धालुओं और धार्मिक संगठनों में नाराजगी दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि मंदिर आस्था का केंद्र है, इसे सोशल मीडिया प्रदर्शन का माध्यम बनने से रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई जरूरी है।